हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, 21 अप्रैल 2024

11 नांगल चौधरी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनसभा आज

12 अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति की पहचान कर उसे डिमोलिश करवाने में लाएं तेजी

खाना खाने होटल पर आए युवकों को पीटा

कनीना। होटल पर खाना खाने आए चिड़िया गांव के युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। सदर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रोहित कुमार ने बताया कि वह 17 अप्रैल रात वह प्रवीन व रोहित के साथ बाइक पर सवार होकर सेहलंग होटल से खाना लेने जा रहे थे। जलघर के पास अरूण व मोहित मिले तो बाइक खड़ी कर गाड़ी मे बागोत बस स्टैंड पर पहुंचे। जहां सोमबीर व जितेंद्र ने उनके साथ गाली-गलोच की। इसके बाद वह वहां से निकल गए और सेहलंग होटल पर पहुंचकर खाना खाने लगे तो करीब 11 बजे एक बोलेरो गाड़ी वहां आकर रूकी। जिसमें सात-आठ युवक सवार थे। जिन्होंने उन पर हमला बोल दिया, एक युवक के हाथ में पिस्तौल भी थी। आरोपितों ने रोहित, अरूण, प्रवीण व रोहित को चोट मारी। आवाज सुनकर पड़ोस के व्यक्ति आए तो आरोपित गाड़ी में सवार होकर फरार हो गए। पुलिस ने आरोपित धर्मेंद्र उर्फ धर्मा, प्रिंस, विपिन, सोमबीर व जितेंद्र सहित पांच-सात अन्य युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

मॉडल संस्कृति स्कूलों का सिलेबस चेंज, छठी से आठवीं के विद्यार्थी पढ़ेंगे नया पाठ्यक्रम

हरिभूमि न्यूज: महेंद्रगढ़

पाठ्यक्रम में बदलाव होने के बाद बुक स्टॉलों पर लगने लगी अभिभावकों की भीड़

नए शिक्षा सत्र 2024-25 में राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल विद्यार्थियों को नया पाठ्यक्रम पढ़ने को मिलेगा। बोर्ड की ओर से कक्षा छठी से आठवीं के कुछ विषयों के कुछ टॉपिक में बदलाव किया गया है। इसके बाद बाकी कक्षाओं के विषय में बदलाव किया जा सकता है। सभी राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूलों में सीबीएसई से संबंधित हैं।

वर्तमान में मॉडल संस्कृति स्कूलों में दाखिला प्रक्रिया जारी है। वहीं किताबों की छपाई भी हो चुकी है। जल्द ही स्कूलों को किताबें मुहैया कराई जाएंगी। बोर्ड की ओर से कक्षा छठी से आठवीं तक के संस्कृत व इतिहास सहित अन्य विषयों के पाठ्यक्रम में कुछ बदलाव किया गया हैं। इसके बाद अन्य कक्षाओं के विषयों में भी कुछ बदलाव किया जाएगा।

यह किताबें अगले सत्र में ही मिल पाएंगी। इसको लेकर पाठ्यक्रम पुस्तकों के लिए एससीआइटीई की ओर से अनुभवी विषय विशेषज्ञों से रूचि व विषय अनुसार आवेदन मांगे गए हैं।

इसके अलावा बोर्ड की ओर से भाषा के क्षेत्र में भी बदलाव किया गया हैं। कक्षा नौवीं व दसवीं में छात्र दो भारतीय भाषाओं के साथ एक विदेशी भाषा भी पढ़ेंगे। अब विद्यार्थियों को भाषा के तीन विषयों सहित 10 विषय पढ़ने होंगे। वर्तमान में विद्यार्थियों को पांच मुख्य विषयों के साथ-साथ एक वोकेशनल विषय की पढ़ाई करनी होती हैं।

क्या हैं मॉडल संस्कृति की विशेषता

मॉडल संस्कृति स्कूल में दूसरे स्कूलों से अलग विशेष सुविधाएं मिलती है। हिंदी व अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई होती है व स्टाफ भी पूरा रहता है। प्रयोगशाला, बिजली पानी और अन्य सभी प्रकार की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाता है। अभी जिले में ततारपुर इस्तमुरार में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक मॉडल संस्कृति स्कूल चल रहा है। शहर से काफी दूर होने के कारण इस विद्यालय का इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को ज्यादा लाभ नहीं मिल पा रहा है

महेंद्रगढ़। मॉडल संस्कृति स्कूल का मुख्यद्वार।

दाखिला प्रक्रिया जारी

विभाग द्वारा जारी किए पत्र में दाखिला प्रक्रिया एक अप्रैल से शुरू हुई थी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल निर्धारित की गई थी। इसके अलावा 22 अप्रैल को ड्रॉ निकाला जाएगा। 26 अप्रैल को दाखिले की सूची जारी की जाएगी। वहीं स्कूलों में सीटें खाली रहने की स्थिति में दूसरे चरण के दाखिले 27 अप्रैल से शुरू होंगे।

दाखिला और मासिक फीस

विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी किए दाखिला शेड्यूल के अनुसार स्कूलों में प्रवेश पाने वाले बच्चों को कक्षा पहली से पांचवीं की एकमुश्त दाखिला शुल्क 500 रुपये और कक्षा छठी से 12वीं की एकमुश्त दाखिला शुल्क 1000 रुपये है। इसके अलावा पहली से तीसरी कक्षा तक मासिक फीस 200 रुपये और चौथी-पांचवीं के लिए 250 रुपये देनी होगी। इसी प्रकार कक्षा छठी से आठवीं 300 रुपये, नौवीं व दसवीं के बच्चों के लिए 400 रुपये व 11वीं से 12वीं के लिए 500 रुपये मासिक फीस निर्धारित की गई है।

खबर संक्षेप

पाताली हनुमान मंदिर में भंडारा 23 को

नारनौल। 23 अप्रैल को महावीर चौक पुल बाजार मार्ग स्थित पाताली हनुमान मंदिर में देसी घी से बने भंडारे का आयोजन किया जाएगा। प्रधान बलबीर सैनी ने बताया कि मंगलवार सुबह हवन और फिर बाबा को भोग लगाने के साथ भंडारा शुरू होगा। भंडारे की शुरूआत की जाएगी।

हनुमान जयंती पर रवा खातीपुरा में मेला 23 को

नारनौल। राजस्थान के गांव रवा खातीपुरा में हनुमान जयंती पर 23 अप्रैल को मेला का आयोजन किया जाएगा। रामजीवन अग्रवाल ने बताया कि इस मेले में कबड्डी व कुश्ती प्रतियोगिता होगी। हनुमान जयंती पर 22 अप्रैल को रात 10 बजे से सुबह चार बजे तक हनुमान जी का जागरण होगा। जिसमें भजन मंडली बालाजी का गुणगान करेगी।

वृक्ष विरासतः अटेली में किसानों की बैठक 23 को

मंडी अटेली। वृक्ष पेंशन मिशन हरियाणा की ओर से 23 अप्रैल को वृक्ष विरासत अभियान के तहत अटेली खंड के किसानों के खेतों में खड़े हुए वृक्षों की पेंशन पर महिला कॉलेज के पास बैठक होगी। जिसमें कमल सिंह यादव विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। बाबू सतबीर सैदपुर, महासचिव अभय सिंह ने बताया पेड़ों मोटी 70 सेंटीमीटर से ज्यादा हो वृक्ष की मोटाई वाले जांटी, खेजड़ी, रोज खैरी, जाल, रोहिड़ा, लसोड़ा, धोक व मोटाई लगभग 80 सेंटीमीटर से ज्यादा तथा शीशम, सागौन, फ्रांस, कीकर, जामुन व 150 से भी से अधिक हो, बड़, पीपल, गूलर, पिलखन इत्यादि के पेड़ शामिल हैं।

जिले की मंडियों में अभी तक 85 हजार मीट्रिक टन सरसों की आवक

मंडियों से आज शाम तक 10 हजार मीट्रिक टन सरसों उठान का लक्ष्य

जिले की मंडियों से अब तक 56562 मीट्रिक सरसों का हो चुका है उठान, डीसी ने उठान में लापरवाही पाए जाने पर दी कार्रवाई की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

कनीना। अनाज मंडी में गेहूं की जांच करते अधिकारी व नारनौल में वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान मौजूद डीसी मोनिका गुप्ता। फोटो: हरिभूमि।

रविवार शाम तक हैफेड व वेयरहाउस के अधिकारियों को जिले की सभी मंडियों से लगभग 10 हजार मीट्रिक टन सरसों का उठान करना है। इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई होने पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होगा। यह निर्देश उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने शनिवार को कैंप कार्यालय में हरियाणा के मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हुई रबी फसल की खरीद कायार्ें की समीक्षा के बाद अधिकारियों की बैठक में दिए।

डीसी ने कहा कि अभी तक जिला महेंद्रगढ़ में लगभग 85 हजार मीट्रिक टन सरसों की आवक हुई है। इसमें से अब तक लगभग 56562 मीट्रिक टन का उठान कार्य हो चुका है। जिले में अब तक 66.62 फीसदी उठान कार्य हो चुका है। रविवार शाम तक यह कार्य 85 फीसदी से अधिक होना चाहिए। अब तक रोजाना करीब तीन हजार मीट्रिक टन फसल का उठान हो रहा है। डीसी ने कहा कि उठान कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर आढ़तियों की तरफ से लेबर की कमी रहती है तो संबंधित का लाइसेंस रद्द किया जाए। किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित एसडीएम लगातार मंडियों में जाकर मुआयना करेंगे। इसी तरह तहसीलदार भी अपने क्षेत्र की मंडियों में अधिकतर समय खरीद कायार्ें को सुचारू रूप से चलवाने के लिए मंडियों में रहेंगे। इस मौके पर एसडीएम महेंद्रगढ़ संजीव कुमार, एसडीएम कनीना सुरेंद्र कुमार, एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह, एसडीएम नांगल चौधरी मयंक भारद्वाज व तहसीलदार नांगल चौधरी निशा के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

सरसों खरीद : अनाज मंडी महेंद्रगढ़ का शेड्यूल जारी

महेंद्रगढ़। रोडवेज वर्कशॉप में सरसों का उठान ना होने व जगह की कमी होने के कारण 22 व 23 अप्रैल को विभिन्न गांवों की शेड्यूल अनुसार सरसों की खरीद अनाज मंडी महेंद्रगढ़ में की जाएगी। यह जानकारी देते हुए सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी मार्केट कमेटी कोमिला ने बताया कि 22 अप्रैल को बैरावास, धौली, बैलायचा, खातौदड़ा, कौथल कलां, पाली, सिसोठ, आदलपुर, निंबी गांव की सरसों खरीद की जाएगी। उन्होंने बताया कि 23 अप्रैल को निंबेहड़ा, निहालावास, बसई, छाजियावास, जांजडियावास, जाटवास, जोनावास व पाल गांव की सरसों खरीद की जाएगी।

कनीना मंडी में सरसों खरीद का शेड्यूल जारी

सरसों की खरीद गांवों के रोस्टर के हिसाब से की जाएगी। कोई भी किसान बिना रोस्टर के अपनी फसल मंडी में ना लाएं। यह जानकारी देते हुए सचिव व कार्यकारी अधिकारी मार्केट कमेटी कनीना नुकूल यादव ने बताया कि 22 अप्रैल को अगिहार, भड़फ, कैमला, पोता व मानपुरा गांव के किसानों की सरसों खरीद की जाएगी। इसी प्रकार 23 अप्रैल को नांगल, मोहनपुर, गोमली, झाड़ली व झिंगावन गांवों के किसानों की सरसों खरीद की जाएगी। किसान गेट पास कटवाने के लिए अपने साथ आधार कार्ड अवश्य लाएं। बिना रोस्टर के किसी भी किसान की सरसों खरीद नहीं की जाएगी।

अटेली मंडी में सरसों खरीद का शेड्यूल जारी

ईओ मार्केट कमेटी अटेली सुनीता ने बताया कि 22 अप्रैल को कारिया, तिगराए नांगल व खेड़ी गांवों के किसानों की सरसों खरीद की जाएगी। वहीं 23 अप्रैल को मोहलड़ा, भौड़ी, उंनीदा व नावदी गांव के किसानों की सरसों खरीद की जाएगी। 24 अप्रैल को ताजपुर, तोबड़ा, गणियार, बड़गांव, 25 अप्रैल को सागरपुर, जाट गुवाणा, खारिवाड़ा, गढी रूथल, 26 अप्रैल को भूषण खुर्द, कांटी, धनौंदा तथा 27 अप्रैल को राता व मोहनपुर गांवों के किसानों की सरसों खरीद की जाएगी।

38000 क्विं. गेहूं, खरीदा, 1000 क्विं. का हुआ उठान

कनीना। पुरानी अनाज मंडी में शनिवार सायं तक 38000 क्विंटल गेहूं के खरीद समर्थन मूल्य पर की। जिसको पीआर सेंटर महेंद्रगढ़ में रखवाया जा रहा। इस बारे में खरीद एजेंसी हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन के अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि सरसों की खरीद सामान्य रूप से जारी है। शनिवार को 10000 क्विंटल सरसों खरीदी गई है। इसके अलावा 60000 बैग का उठान भी किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि सरसों का समर्थन मूल्य 5650 सरकार ने निर्धारित किया है। वहीं गेहूं का समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल है, जो सीधे किसानों के खाते में भेजा जा रहा है। मंडी में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो, इसके लिए उचित प्रबंध किए गए हैं।

रेलवे फ्लाईओवर-सिंघाना रोड पर मोपेड व कार की टक्कर, विक्की चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- हादसे के बाद चालक कार सहित मौके से हुआ फरार, कार का नंबर मिला, केस दर्ज

मोपेड विक्की एवं कार की टक्कर में मोपेड चालक की मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने उपरांत शव का नागरिक अस्पताल से पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया।

धर्मबीर नाथ वासी गांव भोपिया थाना पाटन राजस्थान हाल आबाद झुग्गी बस्ती नई अनाज मंडी नजदीक नांगल चौधरी रोड नारनौल ने बताया कि उसका भतीजा रणजीत नाथ उसके पास झुग्गी में नांगल चौधरी रोड पर रहता था। भतीजा रणजीत नाथ कल 19 अप्रैल को शाम साढ़े सात बजे अपनी विक्की से रेलवे फ्लाईओवर से सिंघाना रोड बाइपास की तरफ जा रहा था। तब एक कार चालक ने उसके भतीजे रणजीत की मोपेड विक्की को सीधी टक्कर मार दी। इससे विक्की दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जबक रणजीत कार के शीशे पर टकराया और दूर जा गिरा। कार चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने रणजीत को उठाया तथा एंबुलेंस की सहायता से नागरिक अस्पताल पहुंचाया। जहां उसकी मौत हो गई।

स्कूल बस और ऑटो की टक्कर, ड्राइवर घायल

नारनौल। रेलवे रोड पर पार्क गली के सामने स्कूल व ऑटो की टक्कर हो गई। जिसमें ऑटो ड्राइवर मामूली रूप से घायल हो गया। जिसे आस-पास के लोगों ने नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया। जानकारी के अनुसार स्कूल बस बच्चों को लेकर सिंघाना रोड पर स्थित स्कूल की ओर जा रही थी। वहीं महावीर चौक की तरफ से ऑटो रेलवे स्टेशन की ओर जा रहा था। पार्क गली के सामने मोड़ होने के चलते स्कूल बस व ऑटो की आमने-सामने की टक्कर हो गई। जिसमें ऑटो चालक घायल हो गया। जिसे आसपास के लोगों ने नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया।

बसई गांव के वाटर सप्लाई टैंक में डूबने से घूमने गए व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- अचानक संतुलन बिगड़ने से हुआ हादसा

गांव बसई निवासी एक व्यक्ति की वाटर सप्लाई के टैंक में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का शनिवार को नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। गांव बसई निवासी सुनील कुमार ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि 20 अप्रैल को उसे सूचना मिली कि उसके परिवार के नाते में लगने वाला भाई सुनील की वाटर सप्लाई टैंक में डूबने से मौत हो गई है। यह सूचना पाकर वह परिजनों सहित मौके पर पहुंचा। उसका भाई सुनील सुबह घूमने के लिए वाटर टैंक के पास गया था। इसके बाद वह दीवार पर बैठ गया। उसके भाई का अचानक बैलेंस बिगड़ने से वह टैंक में गिर गया, टैंक में डूबने से उसकी मौत हो गई। पुलिस पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

बोनस का झांसा देकर अकाउंट एसिस्टेंट को ठगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- साइबर ठगों ने तीन अलग अलग जगह दिया वारदातों को अंजाम
- खायरा के पशुपालक पवन कुमार से 70 हजार और माली टिब्बा गांव के सुशील से 40 हजार की ठगी

बीडीपीओ ब्लॉक नारनौल में कार्यरत मोहल्ला पुरानी मंडी निवासी अकाउंटेंट एसिस्टेंट ठगी की शिकार हुई है। पीड़िता रौनक गर्ग ने बताया कि गत 4 अप्रैल को टेलीग्राम पर एक वेबसाइट ज्वाइन की। एक ऐड के लिंक पर उसे प्रोडेक्ट की रेटिंग डालने का काम दिया गया, जिस पर उसे पहले दिन 500 रुपये बोनस के प्राप्त हुए। अगले दिन एजेंट पास के लिए बोला। जिसमें उसे दस हजार रुपये मिल गए। काम करने के बाद उन्होंने मुझे मेरे कुछ रुपये काम करने से बने थे, वे वापिस विदड्रा करवा दिए, जिसका टोटल 12666 रुपये था। उसके अगले दिन उन्होंने मुझसे फिर 10 हजार रुपये लिए और फिर काम करने के बाद मुझे कुछ रुपये और मिलाकर वापस कर दिए।

उसके बाद से अब तक विदड्रा के नाम पर वह उससे सात लाख रुपये ले चुके हैं और अब वह 970749 रुपये और मांग रहे हैं, विदड्रा करने के नाम पर। इसके बाद उसे लगा कि यह एक फरोड़ वेबसाइट है। फिर 1930 हेल्पलाइन की मदद ली और शिकायत कर दी। इन लोगों ने उसे घर बैठे रुपये कमाने का लालच देकर जाल में फंसा लिया और वह भी लालच में आकर लगातार रुपये भेजती रही। यह उससे गलती हो गई। इसलिए उसकी रकम बरामद करवाई जाए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऑनलाइन भेजे पैसे नहीं पहुंचे खाते में, केस दर्ज

नारनौल। माली टिब्बा के एक व्यक्ति ने अपने जानकार के पास फोन पे के जरिए करीब 40 हजार रुपये भेजे, लेकिन वह पैसे खाते में नहीं पहुंचे। इस पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। पीड़ित सुशील कुमार ने बताया कि वह पुंसिका जिला रेवाड़ी का रहने वाला है और हाल में माली टिब्बा नारनौल में रह रहा है। उसने अपने मोबाइल नंबर से फोन पे के जरिए अपने दोस्त देवेंद्र निवासी गढ़ी बोलनी के पास 40 हजार रुपये भेजे थे। यह पैसे मेरे खाते से तो कट गए, लेकिन वह दोस्त के खाते में नहीं पहुंचे। उन्होंने बताया कि उसके साथ किसी ने फरोड़ किया है। इसलिए ऑनलाइन फरोड़ हुई उसकी रकम उसे वापस दिलवाई जाए।

गाय खरीदने का झांसा दे किसान से की ठगी

महेंद्रगढ़। ऑनलाइन गाय खरीदने का झांसा देकर शातिर ठग ने गांव खायरा निवासी एक पशुपालक से 70 हजार से अधिक रुपये हड़प लिए। पीड़ित पशुपालक ने पुलिस थाने में शिकायत देकर शातिर ठग के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने मांग की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव खायरा निवासी पशुपालक पवन कुमार ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसने फोन पर फेसबुक पर ऑनलाइन घर पर गाय भेजने का विडियो देखा, जिसमें फोन नंबर पर फोन करने को विडियो में बताया गया था, उसने उस नंबर पर कॉल किया। पांच मार्च को पहले 10 हजार रुपये भेजने को बोला। इसके बाद फोन करने वाले ने कहा कि शाम तक गाय आपके घर पहुंच जाएंगी। इसके बाद वह शाम तक नया-नया बहाना बनता रहा तथा खाते में रुपये डलवाता रहा। फोन करने वाला बोलता रहा कि आप पहली बार ऑनलाइन गाय खरीद रहे हो, आपको नियम का नहीं पता। फोन करने वाले ने फोन-पे के माध्यम से खाते में 70 हजार 269 रुपये डलवा लिए।

नौकर पर भरोसा किया तो स्कूटी लेकर भागा

नारनौल। एक व्यक्ति द्वारा अपने नौकर पर भरोसा करना काफी महंगा पड़ा है। नौकर उसकी स्कूटी लेकर फरार हो गया। हरविंद्र सिंह ने बताया कि उसने पशु आहार व भैंस की डेयरी का काम कर रखा है तथा रोहित ने उसके पास तीन माह काम किया था। दोबारा काम पर रखा तो शाम को घर से उसकी स्कूटी लेकर चला गया तथा फिर वापस नहीं लौटा। शिकायत में कार्रवाई की मांग की।

पुलिस का कारनामा, लुटेरों को पकड़ा नहीं

'स्टेट्स लेने पहुंची वृद्धा से पूछा आपकी शिकायत कहां'

- पुलिस कर्मियों महिला का फोटो लेकर दिया था कार्रवाई का आश्वासन

नारनौल। चिकित्सक के पास उपचार कराने आई करीब 61 वर्षीय वृद्ध अनपढ़ महिला को अज्ञात युवकों ने रास्ता पूछने के बहाने नशीला पदार्थ सूंघाकर उससे लूटपाट करने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता मंगूबाई वासी खारीवाड़ा ने बताया कि वह उपचार लेने के लिए नारनौल आई थी। जब वह महावीर चौक पर थी, तब किसी ने उसे रास्ता पूछने के बहाने अपने पास बुलाया व नशीला पदार्थ सूंघा दिया। जिससे वह अचेत हो गई। जब उसे होश आया तो कानों के टॉप्स, सोने की चेन तथा 500 रुपये नगदी गायब मिली। घटना आसपास लगे सीसीटीवी कमरों में भी कैद हो गई। वृद्धा ने बताया कि तब वह महावीर पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराने गई थी, तब पुलिस कर्मचारी ने उसकी अपने मोबाइल में फोटो खिंची थी और उन्होंने उसका मोबाइल फोन भी वहां रख लिया था और कहा था कि उसकी शिकायत नोट कर ली है। पुलिस अधिकारी द्वारा दिए गए आश्वासन को मानते हुए वह वापस घर चली गई, लेकिन आज जब महावीर पुलिस चौकी पहुंची तो उलटा मुझसे पूछा कि तुम्हारी शिकायत कहां है और वहां से भगा दिया गया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से उससे हुई लूटपाट के सोने के गहने बरामद कराने तथा दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

नसीबपुर के रिटायर्ड इंस्पेक्टर ने समाज को दिया संदेश

घोड़ी पर बैठाकर निकाला लड़की का बनवारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। घोड़ी पर बैठाकर बेटी का बनवारा निकालते हुए और नांगल चौधरी। जरूरतमंद परिवार को बेटी की शादी में फर्नीचर देता गौरक्षा दल। फोटो: हरिभूमि।

नसीबपुर की गणेश कॉलोनी निवासी रिटायर्ड इंस्पेक्टर (विजिलेंस) मनोहर लाल ने अपनी बेटी दीपिका का घोड़ी पर बैठाकर बड़ी धूमधाम से बनवारा निकाला। यह बेटी पीएचडी कर रही है। परिवारजनों व आसपास के लोगों ने लड़की को घोड़ी पर बैठाकर गाजे-बाजे के साथ परिक्रमा करवाई गई। इसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। रितुपर्णा ने बताया कि उनकी बहन की शादी हितेश के साथ की जा रही है। हितेश केंद्रीय विश्वविद्यालय दिल्ली में लेक्चरर पद पर कार्यरत है। संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि वह समाज वो प्रगतिशील व जिंदा है, जिस समाज की बेटियों अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सम्मान का हक पाती है। इस मौके पर तहसीलदार अशोक कुमार, रिटायर्ड सीनियर मैनेजर जयनारायण दुग्गल, उच्च शिक्षा के पूर्व प्राचार्य डॉ. शिवराज सिंह, सुरेंद्र कुमार, पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी मानसिंह नूनीवाल, सुरेंद्र अंबेडकर, राहुल बौद्ध व नीरज कुमार आदि ने बधाई दी।

थनवास गांव में जरूरतमंद परिवार को बेटी की शादी में संस्था ने दिया सहयोग

नांगल चौधरी। टीम गौरक्षा दल ने बिरेंद्र गोठड़ी की अगुवाई में थनवास गांव के एक जरूरतमंद परिवार की बेटी की शादी में आर्थिक व फर्नीचर का सहयोग किया। इस दौरान उन्होंने परिवार को जरूर पड़ने पर संस्था से मदद मांगने का आग्रह किया। समाज की एकता भावनाओं पर निर्भर होती है। परोपकार की भावना का विकास होने पर समाज की एकता बढ़ने के साथ मानवता विकसित होती है। थनवास गांव में गरीब परिवार को बेटी की शादी करने में समस्या हो रही थी।

जिसकी सूचना मिलने पर गौरक्षा दल ने संबंधित परिवार से संपर्क किया और आर्थिक व फर्नीचर के सहयोग का आश्वासन दिया। परिवार की स्वीकृति मिलने पर उन्होंने शादी वाले दिन घर जाकर बेटी को फर्नीचर मुहैया करवाया। इस मौके पर संजू ठेकेदार, प्रदीप कुमार, सुनील खटाणा, लाछा, कुमावत, सांवल पटवारी, घनश्याम, ढुलीचंद, साधीराम इत्यादि मौजूद रहे।

गजब की रहेगी सोने की चाल कर सकता है खूब मालामाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

तीन महीने में 15% की छलांग, निवेशकों की जमकर कमाई

पिछले कुछ समय में सोना सबसे बढ़िया एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। तीन महीने में इस पीली धातु की कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ी हैं। यही, नहीं आरबीआई सहित कई उभरते देशों के केंद्रीय बैंक सोने की खरीद में जुटे हैं। सोने को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर माना जाता है। इसमें निवेश कर आप भी मलामाल हो सकते हैं। वैसे भी विशलेषक और सर्राफा बाजार के जानकार इसे निवेश के लिए बढ़िया बता रहे हैं।

जैसे जैसे सोना चमकमता जा रहा है यह निवेशकों को भी खूब भा रहा है। विशलेषकों और सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल सोना बढ़िया कमाई करवा सकता है। इसकी चाल तेज रहेगी। यह निवेशकों पर खूब पैसे बरसा सकता है। ऐसे में सोने में निवेश आपकी संपत्ति को बढ़ाने में सहायक होगा। वैसे भी निवेशक फर्मों का कहना है कि आपके पोर्टफोलियों में कम से कम 20 फीसदी गोल्ड होना ही चाहिए। यह आपको हर स्थिति से उभारने में मदद कर सकता है। पिछले तीन महीनों में सोना 15% से ज्यादा बढ़ा है। 2024 की शुरुआत से यह सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। पिछले तीन महीनों में कई बातों के चलते पीली धातु के दाम ऊपर गए हैं। क्या चमकीली धातु में यह तेजी आगे भी जारी रहेगी? निवेशकों को क्या करना चाहिए? इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको देंगे ऐसी ही जानकारी की क्या ईरान-इजराइल टेंशन के बीच सोने में निवेश का सही समय है। आप किस तरह से सोने में निवेश का बढ़िया रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब इस रिपोर्ट में आपको मिलेंगे।

कई देशों के बैंक खरीद रहे सोना

इस समय भारत और चीन सहित उभरते देशों के केंद्रीय बैंक बीते कुछ महीनों से लगातार सोने की खरीद में जुटे हुए हैं। इसने सोने की कीमतों को मजबूती दी है। सोना पोर्टफोलियो में विविधता लाने और महंगाई से बचाव के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। इसलिए आप भी इसमें लंबी अवधी के लिए निवेश कर सकते हैं और बुढ़ापे के लिए अच्छा पैसा बचा सकते हैं।

मुश्किल समय में बढ़ते हैं दाम

युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाएं जैसी वैश्विक घटनाओं पर सोने की कीमतों पर असर पड़ता है। मुश्किल समय में सोने की कीमतों में अक्सर बढ़त देखने को मिलती है। जब अर्थव्यवस्था अनिश्चित होती है तो भी सोने की कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं। कारण है कि इसे सुरक्षित विकल्प माना जाता है।

निवेशकों को क्या करना चाहिए

बीते कुछ समय में सोने में निवेश करने वालों के पास मुस्कुराने का कारण रहा है। पिछले तीन महीनों में पीली धातु में 15% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह कैलेंडर वर्ष में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास में उभरी है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि सोने में और तेजी आएगी। कारण है कि कीमती धातु को रफ्तार देने वाले कई फैक्टर पॉजिटिव हैं। इनमें ऊंची महंगाई दर, प्रमुख केंद्रीय बैंकों की ओर से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावनाएं और मध्य पूर्व और यूक्रेन में भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं।

सोने में निवेश के तरीके

फिजिकल गोल्ड

सोने की सलाखें और सिक्के: यह सोने में निवेश करने का सबसे पारंपरिक तरीका है। आप अलग-अलग आकारों और शुद्धता स्तरों में सोने की सलाखें और सिक्के खरीद सकते हैं।

सोने की जूलरी: आप सोने की जूलरी में भी निवेश कर सकते हैं, जैसे कि हार, कंगन और अंगूठियां। हालांकि, ध्यान रखें कि जूलरी में सोने की शुद्धता कम होती है और इसका मूल्य निवेश उद्देश्यों के लिए सोने की तुलना में कम होता है।

पेपर गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड: ये म्यूचुअल फंड सोने की सलाखों और सिक्कों में निवेश करते हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो भौतिक सोने को स्टोर करने और उसका बीमा करने की परेशानी से बचना चाहते हैं।

गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ): ये ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करते हैं और आपको सोने की सलाखों या सिक्कों के बिना सोने में निवेश करने की अनुमति देते हैं।

गोल्ड फ्यूचर एंड ऑप्शन: ये अनुबंध आपको भविष्य में सोने की एक निश्चित कीमत पर खरीदने या बेचने का अधिकार देते हैं।

डिजिटल गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले ऐप्स: कई ऐप्स आपको अपने स्मार्टफोन के जरिये सोने में निवेश करने की अनुमति देती हैं। आप छोटी मात्रा में भी सोना खरीद सकते हैं और इसे आसानी से बेच सकते हैं।

क्रिप्टोकरेंसी: *कुछ क्रिप्टोकरेंसी जैसे कि पाई (पीआई) और डीजीएक्स (डीजीएक्स) सोने से समर्थित हैं। सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका आपकी व्यक्तिगत परिस्थितियों और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करता है। निवेश करने से पहले आपको अपनी रिसर्च करनी चाहिए और विभिन्न विकल्पों की तुलना करनी चाहिए।*

डीएसपी म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली कुछ तिमाहियों में सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं में तेजी बनी रह सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोना अच्छी स्थिति में है। अगर महंगाई की दर ऊंची रहती है तो इसमें बढ़ोतरी होगी। कीमतें कम हो जाती हैं और ब्याज दरों में कटौती होती है तो भी सोना अच्छा प्रदर्शन करेगा। कारण है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन सोने की कीमतों को हवा दे रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म नहीं हुआ। इस बीच ईरान और इजरायल के बीच भी तनाव बढ़ गया है। इनसे सोने की कीमतों को बल मिलेगा।

टैक्स कैसे लगता है

मल्टी-कैप फंड्स पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स लगता है। उनके ऊपर पूंजीगत लाभ के हिसाब से टैक्स लगता है। एक साल से कम समय के लिए रखे गए फंड से हुई कमाई पर 15% टैक्स लगाया जाता है, और एक साल से ज्यादा समय तक रखे गए फंड से हुई कमाई के मामले में 1 लाख रुपये से अधिक के लाभ पर 10% टैक्स लगाया जाता है। इसका मतलब है कि हर साल 1 लाख रुपये तक का लाभ छूट प्राप्त है। टैक्स की गणना 1 लाख रुपये से ज्यादा की रकम के हिसाब से की जाती है।

मल्टी-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 52% का रिटर्न, एसआईपी से जुटा सकते हैं मोटा फंड

सुझाव
बिजनेस डेस्क

मल्टी-कैप एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, यह लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों में करता है निवेश, मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा

मल्टी-कैप म्यूचुअल फंड एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, जो लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों समेत अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाले शेयरों के विविध पोर्टफोलियो में निवेश करता है। बाजार पूंजीकरण से किसी कंपनी के आकार और उसके मूल्य का पता चलता है। अगर आप कम जोखिम के साथ किसी ऐसी स्कीम में निवेश करना चाहते हैं जहां आपको एफडी से ज्यादा रिटर्न मिले तो आप म्यूचुअल फंड की मल्टी-कैप स्कीम्स ने निवेश कर सकते हैं। इस कैटेगरी में एसआईपीके जरिये निवेश कर मोटा फंड बनाया जा सकता है। इस कैटेगिरी के फंड्स ने बीते 1 साल में 52% तक का रिटर्न दिया है। सेबी के नए नियमों के अनुसार मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा। फंड मैनेजर को न्यूनतम 75% इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश रखना होगा।

मल्टी कैप फंड के प्रकार

लार्ज-कैप फोकस्ड फंड : ये इक्विटी फंड लार्ज-कैप फंडों में अधिक निवेश करते हैं, जबकि बाकी संपत्तियां मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश की जाती हैं। चूंकि वे लार्ज-कैप शेयरों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं, इस कारण वे तुलनात्मक तौर पर कम वृद्धि करा सकते हैं।

मिड-कैप या स्मॉल-कैप फोकस्ड फंड: ये इक्विटी फंड मिड और स्मॉल-कैप शेयरों को अधिक वेटेज देते हैं, जबकि बाकी का निवेश लार्ज-कैप शेयरों में किया जाता है। इस कारण वे पूंजी को बढ़ाने की ज्यादा संभावना के साथ ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए फंड मैनेजर के पास निवेशकों का कुल 100 रुपये हैं। यहां फंड मैनेजर को न्यूनतम 75 रुपये इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश करना होगा। जिसमें 25-25 रुपये लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में लगाना होगा। बाकी बचे हुए 25 रुपये फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेश कर सकते हैं।

इनमें रहता है कम जोखिम

यदि आप इक्विटी फंड्स में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा-रिस्की एक्सपोजर लेना नहीं चाहते, तो आप टॉप-रेटेड मल्टी-कैप फंड्स में इन्वेस्ट कर सकते हैं। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से ये फंड्स अच्छी तरह डाइवर्सिफाइड भी होते हैं। ये फंड्स, मार्केट के स्थिर रहने पर, स्मॉल और मिड-कैप फंड्स की तुलना में कम रिटर्न दे सकते हैं लेकिन अस्थिर मार्केट कंडीशन में ये फंड्स कम रिस्की होते हैं। इसलिए, यदि आप एक ऐसा फंड चाहते हैं जिसमें कम रिस्क हो तो आप मल्टी-कैप फंड्स आपके लिए सही इन्वेस्टमेंट चॉइस हो सकता है।

किसे निवेश करना चाहिए

निवेशक जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन बहुत अधिक जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, इन फंड्स में निवेश कर सकते हैं। पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाइ करने का ये अच्छा ऑप्शन है। जो निवेशक एक ही पोर्टफोलियो में जोखिम और अस्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहते हैं, वे भी मल्टी-कैप फंड्स का विकल्प चुन सकते हैं।

एसआईपी के जरिए निवेश करना रहेगा सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने की बजाय सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसके अलावा एसआईपी के जरिए आप आसानी से बड़ा फंड भी तैयार कर सकेंगे।

- ईएलएसएस स्कीम में मिलता है टैक्स बेनिफिट भी
- कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स टॉप पर रही
- ईएलएसएस भी निवेश का अच्छा विकल्प हो रहे

ईएलएसएस फंडों ने 5 वर्ष में 34% तक रिटर्न दिया

फैक्ट
बिजनेस डेस्क

पेश की कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) ने पिछले 5 से 10 साल के दौरान शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से कुछ फंड्स का औसत सालाना रिटर्न तो करीब 25 से 34% तक रहा है। इतना ही नहीं, ईएलएसएस पर मिलने वाला टैक्स बेनिफिट इनमें निवेश को और भी आकर्षक बना देता है। इसलिए इसमें निवेश करना फायदे का सौदा है। आप भी ईएलएसएस में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ईएलएसएस ऐसे म्यूचुअल फंड्स हैं, जिनमें मुख्यतौर पर इक्विटी में निवेश किया जाता है। इस समय इक्विटी निवेशकों की पहली पसंद बनी बना हुआ है। चूंकि इसमे निवेश कर लोग अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

ईएलएसएस पर क्या हैं टैक्स बेनिफिट

टैक्स सेविंग इनवेस्टमेंट के लिहाज से इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) निवेश का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। टैक्स सेविंग ईएलएसएस में हर साल 1.5 लाख रुपये तक लगाने पर सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है। इस इनवेस्टमेंट को कम से कम 3 साल तक बनाए रखने के बाद निकाला जाए, तो एक फाइनेंशियल इयर के दौरान 1 लाख रुपये तक का प्रॉफिट लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाता है, जिस पर टैक्स नहीं लगता। मुनाफा 1 लाख रुपये से ज्यादा होने पर भी टैक्स पेयर के स्लैब की बजाय 10% की दर से एलटीसीजी टैक्स देना होता है। अच्छी बात यह है कि ईएलएसएस में सिर्फ टैक्स बचाने के लिए ही नहीं, बेहतर रिटर्न के लिए भी निवेश किया जा सकता है, जिसकी गवाही आंकड़े देते हैं।

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 34.79%
- 5 साल में रिटर्न : 34.36%
- 10 साल में रिटर्न: 27.28%

एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड

- 3 साल में रिटर्न : 27.21%
- 5 साल में रिटर्न : 22.66%
- 10 साल में रिटर्न : 18.11%

एयूएम : 21,754.29 करोड़ रुपये

एचडीएफसी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 26.30%
- 5 साल में रिटर्न: 19.28%
- 10 साल में रिटर्न: 16.81%

एयूएम : 14,140.23 करोड़ रुपये

बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न: 25.37%
- 5 साल में रिटर्न: 27.00%
- 10 साल में रिटर्न: 20.55%
- एयमएम : 1,181.57 करोड़ रुपये

बंधन ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 23.43%
- 5 साल में रिटर्न: 22.06%
- 10 साल में रिटर्न:19.89%

एयूएम : 6,234.18 करोड़ रुपये

डीएसपी ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.36%
- 5 साल में रिटर्न: 21.40%
- 10 साल में रिटर्न: 19.76%
- एयूएम : 14,336.52 करोड़ रुपये

कोटक ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.15%
- 5 साल में रिटर्न: 20.85%
- 10 साल में रिटर्न: 19.50%
- एयूएम : 5,191.71 करोड़ रुपये

लंबे निवेश का बेहतर विकल्प

आंकड़ों से साफ है कि ईएलएसएस में निवेश से न सिर्फ टैक्स का बेनिफिट मिलता है, बल्कि लंबे अरसे में वेल्थ क्रिएशन के लिए भी ये अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। इसलिए ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड लंबे समय तक निवेश करने पर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। हालांकि निवेश का फैसला करने से पहले यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि इक्विटी लिंक्ड स्कीम होने के कारण इसमें बाजार से जुड़ा रिस्क हमेशा बना रहता है। लिहाजा निवेश का फैसला अपने रिस्क प्रोफाइल को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। हालांकि अगर आप इसमें सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करेंगे, तो एवरेजिंग के कारण रिस्क कम रहेगा।

क्या हैं ईएलएसएस फंड

ईएलएसएस फंड एक इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो आपको अपने पैसे को स्टॉक में इन्वेस्ट करने की अनुमति देता है। हालांकि, इसका मतलब हमेशा नहीं है कि आपके पैसे का 100% इक्विटी मार्केट में इन्वेस्ट किया जाएगा। ईएलएसएस फंड, बिना किसी अधिक जोखिम के स्टॉक मार्केट से लाभ उठाने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। ईएलएसएस फंड का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि वे आपको इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी में उल्लिखित प्रावधानों के तहत टैक्स बचाने की अनुमति देते हैं। ईएलएसएस फंड में इन्वेस्ट करके अपनी वार्षिक टैक्सेबल इनकम से रु. 1,50,000 तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। टैक्स लाभ को देने के लिए, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि होती है। यह समय परक्राम्य नहीं है, और तीन वर्ष से पहले अपने पैसे निकालने का कोई तरीका नहीं है।

पर्सनल लोन से निपटा सकते हैं कई खर्च, लेकिन रहें अलर्ट

- कई आर्थिक मुसीबतों से बचा सकता है पर्सनल लोन
- सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने में सक्षम

बिजनेस डेस्क

पर्सनल लोन वह अनसिक्योर्ड क्रेडिट होता है जो कोई बैंक या नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी देती है, ये आपकी क्रेडिट हिस्ट्री और आपकी पर्सनल इनकम के आधार पर लोन चुकाने की क्षमता के आधार पर मिलता है। ये कस्टमर लोन के तौर पर भी जाने जाते हैं, ये एक ऑल पर्पज लोन है जो आपकी सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया जाता है। इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट्स (ईएमआई) लोन चुकाने का माध्यम होती हैं और ये लोन के प्रिंसिपल अमाउंट और लोन के ब्याज को धीरे-धीरे मासिक आधार पर चुकाने का काम करती हैं जब तक लोन पूरी तरह चुकता नहीं हो जाता है। हर ईएमआई में प्रिंसिपल लोन अमाउंट और ब्याज जो चुकाया जाना है उसका कंपोनेंट होता है। चूंकि इस लोन को लेने में कम पेपर वर्क होता है और प्रोसेसिंग में भी कम समय लगता है तो बस आपके पास अच्छा क्रेडिट स्कोर होना चाहिए और आपको ऊंची ब्याज दर चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर क्या है

पर्सनल लोन वो अनसिक्योर्ड लोन होते हैं जो कि किसी व्यक्ति को दिए जाते हैं। जो कोई अपनी आर्थिक जरूरतों को हासिल करना चाहते हैं जैसे कि कर्ज को उतारना, शादी-विवाह आदि के लिए खर्च, अचानक आने वाले मेडिकल खर्च के लिए और अन्य किसी जरूरत के लिए पैसा चाहते हैं, वो पर्सनल लोन लेते हैं। पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर के जरिए आपको होम लोन की इंस्टॉलमेंट्स का पता चल जाता है जो आपको रेगुलर इंटरवल पर देनी होगी। ये आपको होम लोन प्लान लेने में एक बेहद जरूरी फाइनेंशियल प्लानिंग टूल के रूप में काम आता है और आप अपना निर्णय ले पाते हैं।

ईएमआई कैलकुलेशन कैस मदद हो पाती है

ईएमआई कैलकुलेशन आपको स्पष्ट रकम के बारे में बताता है कि हर महीने आपको कितनी रकम होम लोन चुकाने में देनी होगी, जिससे आप एक सही फैसला ले सकते हैं कि लोन लेना आपको बजट में है या नहीं। ये आपको लोन की कॉस्ट से जुड़ी अन्य बातों के बारे में भी बताता है, जिससे आप जान पाते हैं कि पर्सनल लोन लेने के बाद आपको हर महीने कितनी रकम अलग निकालकर रखनी होगी और आप लोन लेने की स्थिति में है या नहीं।

ईएमआई जांचने के फायदे

- लोन लेने की क्षमता जांच सकते हैं।
- लोन का कुल अमाउंट और टेन्योर जांच सकते हैं।
- लोन रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- प्रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- पर्सनल लोन लेने के क्या कारण हो सकते हैं।
- महंगी शादी के लिए लिया जा सकता है।
- किसी बड़ी खरीदारी के लिए हो सकता है।
- मेडिकल इमरजेंसी के लिए।
- घर की मरम्मत या सुधार के लिए।
- क्रेडिट कार्ड के कर्ज को चुकाने के लिए।
- किसी बिजनेस को फाइनेंस करने या किसी निवेश को करने के लिए लिया जा सकता है।

तैयारी बच्चे भी टैक्स बचाने में कर सकते हैं मदद, ऐसे समझें गणित

टैक्स बेनिफिट फायदा उठाकर वित्तीय बोझ कर सकते हैं कम

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा टैक्स बचाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के लिए नौकरी पेशा लोग तमाम जतन करते हैं। बच्चों के भविष्य के लिए बचत भी बेहद जरूरी है। ऐसे में बच्चे भी टैक्स बचत करवाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। माता-पिता बनने के बाद तमाम जिम्मेदारियों और खुशियों के बीच अक्सर इस पहलू को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि बच्चों के कारण परिवार को टैक्स में छूट मिलता है। परिवार में बच्चों की मौजूदगी और उनकी परवरिश से मिल रही खुशी के इतर सरकार द्वारा भी पैरेंट्स को वित्तीय सपोर्ट मिलती है ताकि माता-पिता को बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल, शिक्षा पर होने खर्चों और उनकी जरूरतों को पूरा करने में कम परेशानी हो। छोटे बच्चों के कारण पेरेंट्स को मिलने वाले टैक्स बेनिफिट के बारे में समझाकर और उनका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाकर परिवार के वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम किया सकता हैं। इसके साथ ही बच्चों को बेहतर भविष्य दिया जा सकत हैं। परिवार का टैक्स बचाने में आपके बच्चे भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप पैरेंट्स बनने के बाद ज्यादा से ज्यादा टैक्स में छूट का लाभ पा सकते हैं।

बच्चों की फीसः नर्सरी से पोस्टग्रेजुएशन तक

- नौकरी पेशा वाले टैक्सपेयर्स अपने बच्चों की शिक्षा लागत में मदद करने के लिए कॉस्ट ऑफ कंपनी (सीटीसी) स्ट्रक्चर के हिस्से के रूप में आयकर अधिनियम की धारा 10(14) के तहत कुछ भत्ते के हकदार हैं। इनमें भत्तों में शिक्षा और हॉस्टल खर्च शामिल है।
- **बच्चों की शिक्षा भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 100 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,400 रुपये सालाना तक।
- **बच्चों की हॉस्टल भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 300 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,600 रुपये सालाना।

ट्यूशन फीस पर भी छूट : इसके अलावा बच्चों की शिक्षा के लिए भुगतान की गई ट्यूशन फीस इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत कटौती योग्य है। माता-पिता अलग से सालाना 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। यह टैक्स डिडक्शन भारत में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों या अन्य शैक्षणिक संस्थानों में दो बच्चों तक के लिए भुगतान की जाने वाली ट्यूशन फीस को कवर करती है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह कटौती ट्यूशन फीस के लिए विशिष्ट है और इसमें अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं, जैसे कि पार्ट-टाइम या इंटरनेशनल कोर्स पाठ्यक्रमों के लिए।

सुकन्या समृद्धि योजना

धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स बेनिफिट्स के साथ-साथ टैक्स फ्री रिटर्न भी देती है। यह मुख्य रूप से बालिका शिक्षा और विवाह के लिए है क्योंकि राशि का निवेश केवल 21 वर्ष की आयु तक किया जा सकता है। सुकन्या समृद्धि अकाउंट किसी भी पोस्ट ऑफिस या बैंक शाखा में खुलवाया जा सकता है। बेटी के जन्म के समय या फिर 10 साल की उम्र तक यह खाता खुलवाया जा सकता है। खाता खुलवाने के समय कम से कम 1000 रुपये और एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रूपये जमा करवाने होते हैं।

बीमा योजना

बच्चों की शैक्षणिक भविष्य को वित्तीय सुरक्षा देने के लिए, माता-पिता को बच्चों के नाम पर बीमा योजनाओं और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान जैसे निवेश स्कीम पर विचार करने की सलाह दी जाती है। ये उपकरण न सिर्फ टैक्स बेनिफिट देते हैं बल्कि योगदान देने वाले माता-पिता की मृत्यु जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों के मामले में वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। यानी बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आप पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि खाता, म्यूचुअल फंड्स खाता, ट्रेडिशनल इंश्योरेंस पॉलिसी जैसे स्कीम की मदद ले सकते हैं। इसमें आप जो निवेश करेंगे, उस पर सेक्शन 80C के तहत डिडक्शन मिलता है।

एजूकेशन लोन

एजूकेशन लोन पर ब्याज के बिना किसी ऊपरी सीमा के धारा 80ई के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए पात्र है। यह प्रावधान विशेष रूप से हायर इनकम वाले परिवारों के लिए फायदेमंद है और यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय बाधाओं के बावजूद हायर एजुकेशन का सपना पहुंच के भीतर बना रहे। बच्चे की पढ़ाई के लिए आप एजुकेशन लोन लेकर सेक्शन 80ई के तहत टैक्स बचा सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस पर

इनकम टैक्स की धारा 80डी बच्चों के लिए भुगतान किए गए हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का लाभ देती है। हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में बच्चे, पत्नी और खुद यानी परिवार के लिए टैक्स डिडक्शन की ऊपरी लिमिट 25,000 रुपये है। इनकम टैक्स की धारा 80डी के तहत बच्चे वाला परिवार 25,000 रुपये तक के टैक्स डिडक्शन के लिए क्लेम कर सकता है। इसके अलावा कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस कवर अतिरिक्त 5,000 रुपये तक का क्लेम सुनिश्चित करता है। यह कवरेज होने पर परिवार बच्चों के प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप के लिए 5,000 तक की सब-लिमिट का दावा भी कर सकते हैं।

इन पर भी राहत

इसके अलावा, सेक्शन 80डीडी और 80डीडीबी विकलांग या विशिष्ट बीमारियों वाले बच्चों के मेडिकल ट्रीटमेंट पर होने वाले खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन मिलते हैं। धारा 80डीडी के तहत, विकलांग बच्चों के चिकित्सा उपचार और रखरखाव से संबंधित खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन का दावा किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

अटेली कॉलेज में निबंध लेखन प्रतियोगिता

मंडी अटेली। राजकीय महाविद्यालय अटेली में शनिवार को कानूनी सेल द्वारा हरियाणा राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण व उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से छात्र कानूनी साक्षरता मिशन के तहत विभिन्न विषयों जैसे मानव अधिकार, मौलिक कर्तव्य, विकलांग व्यक्तियों के अधिकार, निराश्रित महिलाओं एवं बच्चों के अधिकार, नशा मुक्ति, कन्या भ्रूण हत्या, स्वच्छता एवं सामान्य जागरूकता, संरक्षण, घरेलू हिंसा, दहेज निषेध, यौन उत्पीड़न, सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, बाल विवाह, रैगिंग, वरिष्ठ नागरिकों का अधिकार आदि विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार सैनी ने की। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. नरेंद्र सिंह ने किया।

कप्तान राजेंद्र सिंह खेड़ा की पत्नी का निधन

महेंद्रगढ़। गांव खेड़ा निवासी यादव सभा महेंद्रगढ़ के प्रवक्ता कप्तान राजेंद्र सिंह खेड़ा की पत्नी बबीता देवी का शनिवार शाम को निधन हो गया।

स्वर्गीय बबीता देवी का अंतिम संस्कार पैतृक गांव खेड़ा में किया गया। स्वर्गीय बबीता देवी बहुत ही सौम्य स्वभाव एवं मिलनसार प्रवृत्ति की महिला थी। वह समाज एवं मोहल्ले के कार्यों में बढ़-चढ़कर योगदान देती थी। वह अपने पीछे अपने पति कप्तान राजेंद्र सिंह, पुत्र जितेंद्र, पुत्रवधू मीनाक्षी, पोत्र एवं पोत्री के साथ भरे पूरे परिवार को छोड़कर गई हैं। अंतिम यात्रा में डॉ. मेजर सूरत सिंह यादव, डॉ. राजवीर सिंह यादव, यादव सभा प्रधान एडवोकेट अभय राम यादव इत्यादि शामिल हुए।

भूमि विवाद में महिला को जान से मारने की धमकी

कोसली। खेड़ी रामगढ़ गांव के एक व्यक्ति ने अपने ही भाई व भाभी पर भूमि विवाद को लेकर उनकी पत्नी को कमरे में बंद करने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए नाहड़ पुलिस को शिकायत दी है। गांव खेड़ी रामगढ़ निवासी रामफल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी पत्नी सरोज शनिवार सुबह 9 बजे घर के सामने प्लाट में बने कमरे में तूड़ा डालने के लिए गई थी कि उनके भाई बालकिशन व उनकी पत्नी शर्बिना ने जमीनी विवाद को लेकर उनकी पत्नी सरोज के साथ बहस करनी शुरू कर दी तथा उन्होंने सरोज को कमरे में बंद कर दिया तथा कमरे को ताला लगा दिया।

अलग-अलग मामलों में तीन उद्घोषित गिरफ्तार

रेवाड़ी। अदालत की ओर से अलग-अलग मामलों में आरोपी नरेन्द्र कुमार निवासी गांव डीगल जिला झज्जर, अंसार निवासी गांव काबन का बास जिला भरतपुर राजस्थान व राकेश पंडित निवासी मोहल्ला शिव कॉलोनी हाल में आबाद गांव खेडी जिला महेंद्रगढ़ को ादेशों की अवहेलना करने पर उद्घघोषित अपराधी घोषित किया गया था। पुलिस की अलग-अलग टीमों ने गत दिवस उद्घघोषित तीनों आरोपियों को काबू कर लिया है।

अवैध शराब बेचने के मामले में एक काबू

रेवाड़ी। थाना सेक्टर-6 धारूहेड़ा पुलिस ने अवैध शराब बेचने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गांव बाम्बड़ फतेहपुरी निवासी मोनू के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40 पव्वे देशी शराब बरामद की है।

रेहड़ी से टकरा कर दो बाइक सवार घायल

रेवाड़ी। गांव राजपुरा के पास बाइक सवार दो युवक सड़क पर चल रही गन्ने के जूस की रेहड़ी से टकरा गए, जिससे वह घायल हो गए। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में गांव गिंदोखर के हितेश कुमार ने बताया कि वह दिल्ली एयरपोर्ट में लोडिंग का काम करता है। बीती शाम को वह अपने चचेरे भाई विशाल के साथ बाइक पर सवार होकर जब अपने गांव से किशनगढ़ जा रहा था तो रास्ते में गन्ने का जूस निकालने वाली रेहड़ी से उसकी टक्कर हो ।

जिला प्रशासन ने सुरक्षा प्रबंधों का लिया जायजा

नांगल चौधरी में सीएम की जनसभा आज, धर्मबीर के लिए मांगेंगे वोट

नवनियुक्त राज्यमंत्री डा. अभय सिंह यादव की प्रतिष्ठा दांव पर भीड़ जुटाने के लिए एडी-चोटी का जोर लगा रहे हैं कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। जनसभा स्थल पर पंडाल का निरीक्षण करते जिला प्रधान दयाराम यादव। फोटो : हरिभूमि

पीएम की नीतियों से देश हुआ मजबूत

भाजपा के जिला प्रधान दयाराम यादव ने बताया कि पार्टी के प्रत्याशी चौ. धर्मबीर सिंह के समर्थन में मुख्यमंत्री अनाज मंडी में जनसभा करेंगे। जिसकी सफलता के लिए मंडल प्रधान व अन्य पदाधिकारियों को जिम्मेवारी सौंपी गाई है। रैली में प्रदेश के कई विधायक, मंत्री व पार्टी के सीनियर नेता मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की नीतियों से देश का पूरे विश्व में सम्मान बढ़ा है। इसलिए जनता ने तीसरी बार भाजपा को सत्ता सौंपने का मन बना लिया है।

प्रदेश में लोकसभा के चुनाव अंतिम चरण में होंगे, लेकिन सियासी पारे में उबाल आना शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री बनने के बाद नायब सिंह सैनी नांगल चौधरी में पहली बार चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। दूसरी ओर राज्यमंत्री बनने के बाद डा. अभय सिंह की अगुवाई में सीएम का यह पहला कार्यक्रम होगा। ऐसे में भीड़ जुटाने के लिए उन्होंने कार्यकर्ताओं की बैठक ली तथा उन्हें वाहन मुहैया करवाए। जिला प्रशासन ने भी पंडाल में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया है। जिला प्रधान दयाराम यादव ने स्टेज व्यवस्था की जिम्मेवारी संभाली है। आपको बता दें कि भाजपा ने लगातार तीसरी बार सांसद चौ. धर्मबीर को प्रत्याशी बनाया है। प्रदेश सरकार में भाजपा की सहयोगी रही जेजेपी ने पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह को टिकट देकर यादव कार्ड खेला है, लेकिन मुकाबले का आंकलन कांग्रेस की टिकट घोषित होने के उपरांत ही हो पाएगा।

कांग्रेस पर गुटबाजी भारी

आपसी गुटबाजी के चलते कांग्रेस आलाकमान पशोपेश में फंसी हुई है और पैनल तैयार होने के बावजूद टिकट की घोषणा नहीं हो पाई है। इधर भाजपा ने चुनाव प्रचार को तेज करते हुए जिले के चारों हलके में मुख्यमंत्री की चुनावी जनसभा निर्धारित कर दी। नांगल चौधरी में 21 अप्रैल की दोपहर दो बजे जनसभा करेंगे। रैली के लिए जिला प्रशासन ने अनाज मंडी की टीनशेड को निर्धारित किया। रैली में भीड़ जुटाने की जिम्मेवारी सिंचाई एवं अर्द्ध सैनिक कल्याण राज्यमंत्री डा. अभय सिंह यादव ने संभाली है।

राव इंद्रजीत के समर्थकों ने संभाला मोर्चा, गांव वाइज प्रचार में जुटे

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि चौ. धर्मबीर को केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत के प्रयासों से टिकट मिलना संभव हुआ है। उन्होंने बैठक का आयोजन करके सभी वर्करों को धर्मबीर के समर्थन में काम करने के निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर नारनौल, अटेली व महेंद्रगढ़ हलके में भी राव समर्थकों ने धर्मबीर के पक्ष में जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है।

निमंत्रण दिया

उन्होंने नांगल चौधरी, नायन व थनवास गांव में कार्यकर्ताओं की बैठक करके जनसभा का निमंत्रण दिया है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का अभूतपूर्व विकास हुआ है। चारों ओर सीमाएं सुरक्षित हैं व सेना गौरवांवित महसूस कर रही है। लोकसभा की सभी 10 सीटें भाजपा की झोली में जाएंगी। पूरे में 400 से अधिक सीटें जीतकर भाजपा तीसरी बार सरकार बनाएगी। नांगल चौधरी में मुख्यमंत्री की पहली जनसभा होगी, जिसमें रिकॉर्ड तोड़ भीड़ जुटेगी।

सीनियर छात्राओं के विदाई समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। सीनियर छात्राओं को भावभिनी विदाई देती जूनियर व कॉलेज स्टॉफ।

चौधरी बैजनाथ गर्ल्स कॉलेज में सीनियर छात्राओं के विदाई समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्या डा. अनिता तंवर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें जूनियर छात्राओं ने तिलक लगाकर सीनियर को शुभकानाएं दी तथा उन्हें पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई कभी भी खत्म नहीं होती, जीवनभर पढ़ाई कर सकते हैं, क्योंकि विद्यार्थी का जितना लगाव पुस्तकों से बना रहेगा उतना ही सफलता के करीब पहुंच पाएगा। स्नात्तक की पढ़ाई पूरी करने के बाद एमए, बीएड या प्रशासनिक अधिकारी की तैयारी कर सकते हैं। उन्होंने जूनियर छात्राओं को सीनियर के अनुशासन, एकेडमिक परिणाम तथा अन्य गतिविधियों से प्रेरणा लेने की जरूरत है। इसके बाद सीनियर छात्राओं का तिलक करके उनका अभिनंदन किया। सांस्कृतिक प्रस्तुति से भरपूर मनोरंजन किया।

शहबाजपुर स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते समाजसेवी अरविंद चौधरी। फोटो : हरिभूमि

राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल शहबाजपुर में मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह प्राचार्य विकास जयदीप की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें समाजसेवी अरविंद चौधरी ने मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करने के बाद उन्हें प्रदर्शन में निखार लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पंचायत समिति के चेयरमैन कर्मपाल यादव व सरपंच बिक्रम सिंह मुख्य रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि प्रतिभा किसी संसाधन या सुविधाओं की मोहताज नहीं होती। प्रदर्शन में सुधार लाने की ललक रखने वाले युवा ही प्रतिभाशाली होते हैं, लेकिन प्रतिभा को सम्मान देना समाज का नैतिक दायित्व है, क्योंकि इससे युवा को निरंतरता बनाए रखने तथा कठोर परिश्रम करने की प्रेरणा मिलती है। समाजसेवी अरविंद चौधरी ने स्कूल की लाइब्रेरी को कक्षा नौ और 10 के लिए पुस्तकें मुहैया करवाई। उन्होंने स्कूल के विकास में पंचायत समिति व पंचायत के सहयोग को सराहा। कहा कि सामूहिक भावना से ही सार्वजनिक संस्थानों का विकास संभव होता है। सरकारी स्कूलों में अधिकतर जरूरतमंद परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। जिनके पास पाठ्य सामग्री व अन्य सुविधाएं नहीं होती, जिस कारण उन्हें पढ़ाई जारी रखने में परेशानी झेलनी पड़ती है। इस मौके पर मनोज अग्रवाल, अक्षत अग्रवाल ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

यदुवंशी स्कूल में विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन

■ ग्रुप चेयरमैन राव बहादुर सिंह, कर्ण सिंह यादव हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर के विकास के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोतरी प्रतियोगिता, भाषण एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह मुख्यातिथि, वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव एवं चेयरपर्सन संगीता यादव विशिष्ट अतिथि तथा निदेशक विजय सिंह यादव शामिल हुए। कक्षा तत्परता कार्यक्रम के तहत विद्यालय में विभिन्न स्तर पर शनिवार को विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन होता है जिसमें कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की प्रतिभागिता आवश्यक है। शनिवार को आयोजित बाल वर्ग कक्षा दूसरी से पांचवीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया। वहीं कनिष्ठ वर्ग छठी से आठवीं के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया, जिसमें आराध्या बत्रा, वंश तथा प्रवेश राव ने प्रथम, अनन्या, पलक तथा वंशिका ने द्वितीय, हर्षित, पीयूष, रोनक, ओजस्वी, हार्दिक एवं पीयूष कुमार ने तृतीय स्थान हासिल किया।

दक्षिणी हरियाणा की धरती प्यासी, पानी नहीं

मंडी अटेली। हरियाणा युवा किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष व पूर्व विधायक नरेश यादव ने कहा कि एसवाईएल नहरी पानी को लेकर उच्चतम न्यायालय ने अपना फैसला दे दिया। दक्षिणी हरियाणा की प्यासी धरती को पानी उपलब्ध लोकसभा के चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल वोटों की राजनीति करने में जुटे हुए हैं, लेकिन जनता की समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने राजनीतिक दलों से मांग की है कि चुनाव मतदान से पहले उच्चतम न्यायालय के फैसले अनुसार पानी मुहैया कराने का काम करें।

घरेलू हिंसा के प्रति किया जागरूक

नारनौल। कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

■ महिला कॉलेज में कार्यक्रम का किया आयोजन

राजकीय शिक्षण महाविद्यालय में शनिवार को डा. रेखा कुमारी की देखरेख में शिक्षा का अधिकार व सूचना का अधिकार विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता तथा मानव अधिकार एवं आधारभूत कर्तव्यों पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने काफी रूचि दिखाते हुए जोश के साथ अपने-अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने कानूनी साक्षरता मिशन के तहत दहेज निषेध, यौन उत्पीड़न व महिलाओं पर घरेलू हिंसा रोकने की विस्तार से जानकारी दी। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डा. गजेंद्र सिंह, डा. नीलम शर्मा, डा. रेखा कुमारी ने निभाई।

नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद बच्चे। फोटो : हरिभूमि

सरस्वती स्कूल में महावीर जयंती मनाई

नारनौल। सरस्वती बाल मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में महावीर जयंती की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें प्रधानाचार्या क्षमा पाण्डे व सभी अध्यापक उपस्थित रहे। इस अवसर पर कक्षा 10वीं की छात्रा अमृता व कक्षा आठवीं की छात्रा भाविका ने भगवान महावीर जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। अध्यापिका दीपिका ने महावीर जयंती का महत्व समझाया और महावीर जी के विचारों को अपने जीवन में अपनाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। मंच संचालन अंग्रेजी अध्यापक संदीप जी ने किया। अंत में विद्यालय के संचालक मुकेश शर्मा ने सभी विद्यार्थियों को भगवान महावीर जयंती की बधाई दी।

जीवन में हर किसी को भौतिक, दैहिक तथा दैविक तापों से गुजरना पड़ता : ज्ञानानंद

■ मंगलाचरण-जाप, हवन-यज्ञ, अखंड-पाठ, प्रवचन-सत्संग तथा भंडारे का आयोजन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

रेवाड़ी। समारोह में पुस्तक लोकार्पण करते हुए संत महात्मा। फोटो हरिभूमि

जीवन में हर किसी को भौतिक, दैहिक तथा दैविक तापों से गुजरना पड़ता है। इन तीनों तापों से छुटकारा केवल संत-महात्मा तथा सतगुरु ही दिलवाते हैं। यह विचार कुरुक्षेत्र से पधारे गीता मनीषी ज्ञानानंद महाराज ने शनिवार को गोकलगढ़ में व्यक्त किए। शनिवार को स्वामी नितानंद आश्रम में नवनिर्मित गुरु गुमानी राम सरोवर का लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता जटेला धाम के पीठाधीश्वर तथा गोकलगढ़ आश्रम के संचालक जाने-माने आध्यात्मिक विचारक महंत स्वामी राजेंद्र दास महाराज ने की। इस अवसर पर मंगलाचरण-जाप, हवन-यज्ञ, अखंड-पाठ, प्रवचन-सत्संग व भंडारा किया। दादू पीठ नरेना धाम जयपुर से दादू संप्रदाय के आचार्य स्वामी ओमप्रकाश दास महाराज ने गुरु स्मृति में बनाए गए सरोवर को ऐतिहासिक कार्य करार दिया। नितानंद महाराज तथा उनके गुरु गुमानी राम महाराज के बारे में संत महात्माओं ने अपने विचार रखे। स्वामी रमेशानंद महाराज, गुजरात से स्वामी कल्लू नाथ महाराज, बद्रीनाथ से स्वामी पुष्कर आनंद महाराज, स्वामी सूयार्नंद सरस्वती महाराज, कृष्णानंद महाराज, नरेना से सुखदेव महाराज, स्वामी नरोत्तम दास महाराज तथा टांकड़ी आश्रम से स्वामी कमल सागर महाराज, बाबा मनसाराम महाराज, स्वामी रामानंद महाराज, अनीता महाराज, सज्जन दास महाराज तथा अशोक आनंद महाराज ने अपने विचार रखें।

कार की टक्कर से बिजली टावर क्षतिग्रस्त

रेवाड़ी। रेवाड़ी-नारनौल बाइपास पर तेज रफ्तार कार ने बिजली टावर को टक्कर मार क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई। इससे निगम को करीब 9 लाख रुपयों का नुकसान हुआ है। विद्युत निगम के अधिकारी ने कार चालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। निगम अधिकारी कविन्द्र यादव ने बताया कि 132केवी के पावर ट्रांसमिशन लाइन के टावर को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जिससे टावर क्षतिग्रस्त होने से आपूर्ति ठप्प हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

सूचना

मै राकेश यादव पुत्र सरजीत सिंह वासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी नारनौल तह. नारनौल जिला महेंद्रगढ बयान करता हूं कि मेरे आर्मी रिकार्ड में मेरे बेटे का नाम गलती से सूरज यादव लिखा गया है जबकि उसका सही नाम ईशु यादव है। नियमानुसार सही करने का कष्ट करें।

सूचना

मै शर्मिला यादव पत्नी राकेश यादव वासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी नारनौल तह. नारनौल जिला महेंद्रगढ बयान करती हूं कि मेरे पति के आर्मी रिकार्ड में मेरा नाम गलती से शर्मिला लिखा गया है जबकि मेरा सही नाम शर्मिला यादव है। नियमानुसार सही करने का कष्ट करें।

सूचना

मै रितिका यादव पुत्री राकेश यादव वासी हाउसिंग बोर्ड कालोनी नारनौल तह. नारनौल जिला महेंद्रगढ बयान करती हूं कि मेरे पिता के आर्मी रिकार्ड में मेरा नाम गलती से रितिका लिखा गया है जबकि मेरा सही नाम रितिका यादव है। नियमानुसार सही करने का कष्ट करें।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गई

बाबा साहब मानवता व नारी मुक्ति के थे पक्षधर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। गांव बजाड़ में मेहमानों को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती गांव बजाड़ में एक शाम संविधान निर्माता के नाम से मनाई गई। पूर्व प्राचार्य डॉ. शिवताज सिंह व अध्यक्षता महिला महाविद्यालय अटेली के प्राचार्य डॉ. प्रवीण यादव ने की। डीएफससी राम अवतार यादव, पाली यूनिवर्सिटी से समाज शास्त्री डॉ. टी. लांगकोई व मदन लाल डाडैया विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में मिशनरी गायक कलाकार मंजीत मेहरा व श्वेता अंबेडकर ने बाबा साहब के दर्शन व संघर्षों से ओतप्रोत भजनों माध्यम से लोगों को जानकारी दी। उनके द्वारा प्रस्तुत भजन कोई शंकर कोई राम नै पूजे, कोई भक्त हनुमान, मैं बाबा साहब का फैन सूं और फैन सूं कांशीराम, पाखंड छोड़ो करो पढ़ाई, विद्या पार लगाएगी अंधकार, जो जीवन में शिक्षा प्रसार फैलाएंगी, घर-घर जा कर मंजीत समझावै, मंजीत मेहरा चिड़ी गांव का पर उपस्थित लोगों झूमने पर मजबूर कर दिया था तथा लोगों ने संविधान निर्माता के विचारों को गीत के माध्यम से जाना। दलित चिंतक व समाज शास्त्री डॉ. शिवताज सिंह ने कहा कि डॉ. भीम राव अंबेडकर केवल दलितों के नेता नहीं थे, बल्कि मानवता के कल्याण व समाज को समतामूलक बनाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन लगा दिया। वे नारी मुक्तिदाता के साथ किसान, श्रमिकों के साथ भारत को अर्थशास्त्र का अध्ययन कर रिजर्व बैंक जैसी संस्था भारत देश को दी। रिटायर्ड डीएफएससी डॉ. राम अवतार यादव व समाज शास्त्री डॉक्टर टी लॉन्गकोई ने कहा कि जब समाज का चिंतनशील वर्ग बाबा साहब को पढ़कर अपने जीवन में लागू का स्थापित अवधारणा को चुनौती देता है तो समाज में खलबली मचती है। अश्वनी बौद्ध ने आने वाले सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। समारोह में संविधान विरोधी ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का संकल्प भी लिया गया। मंच संचालन सुरेंद्र अंबेडकर ने किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मास्टर सुंदर लाल, सुरेंद्र सरपंच, नरेंद्र स्कॉलर, जितेंद्र डीपीई, राजसिंह नंबरदार, सोमदत्त मिस्त्री, जितेंद्र डीपीई, सतीश लेक्चरर, सुनील मास्टर, बाबू बनवारी लाल, इंद्रजीत, इंद्राज, सतीश कुमार, विजय पाल रोहिल्ला व सुरेश कंडेक्टर सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

अपहरण के मामले में नाबालिग गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना सेक्टर-6 धारूहेड़ा पुलिस ने युवक का अपहरण कर मारपीट करने के मामले में एक नाबालिग को अभिरक्षा में लिया है। गांव गढ़ी अलावलपुर निवासी आकाश ने अपनी शिकायत में बताया था कि 18 नवंबर 2023 को वह अपने घर के बहार गली में खड़ा था तभी धारूहेड़ा निवासी संजू व विकाश अपने अन्य साथियों के साथ तीन बाइक पर आए और उसको जबरदस्ती बाइक पर बैठा कर धारूहेड़ा के जैन स्कूल के पास खाली जगह पर लेकर गए तथा सभी आरोपी उसके साथ मारपीट कर मौके से फरार हो गए। जिस पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना सेक्टर-6 धारूहेड़ा में मामला दर्ज करके मामले में तीन आरोपी संजू, मंजीत व विकाश को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

खबर संक्षेप

स्कूल से तोड़कर, गेहूं सिलेंडर, एलईडी चोरी

महेंद्रगढ़। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डेरोली अहीर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर सामान चोरी कर ले गए हैं। स्कूल से सिलेंडर, गेंहू के कट्टे, पंखे, इनवेटर, बेटरी सहित एलईडी टीवी तक उतारकर ले गए हैं। विद्यालय की प्राचार्या ने सदर पुलिस थाने में शिकायत देकर चोरों को पकड़ने व सामान बरामद करने की मांग की है। प्राचार्या सरोज बाला ने बताया कि 19 मार्च को विद्यालय के कर्मचारी विनोदी लाल को सूचना मिली कि विद्यालय के मेन गेट का ताला टूटा हुआ है।

अलग अलग तीन स्थानों से बाइक चोरी

नारनौल। गणेश मार्केट से बाइक चोरी हो गई। पीड़ित मोहल्ला गुरुनानकपुरा निवासी कृष्ण कुमार ने बताया कि उसने गणेश मार्केट में बालाजी डेंटल अस्पताल के पास अपनी बाइक खड़ी की थी। सुबह ऑफिस पहुंचा तो वहां बाइक नहीं मिली। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक रात्रि करीब ढाई बजे दो लड़के अज्ञात लड़के आए तथा उसकी काले रंग की स्पलेंडर बाइक को चोरी कर ले गए। दिलकेश मीणा वासी गांव उमेदपुरा जिला करौली राजस्थान ने बताया कि सुबह 11 बजे अपनी मोटरसाइकिल से सुभाष पार्क आया था। पानी की टंकी के समीप बाइक खड़ी करके वह पार्क के अंदर चला गया।

गर्ल्स कॉलेज में ईवीएस की प्रेक्टिकल परीक्षा 22 को

नांगल चौधरी। चौधरी बैजनाथ महिला महाविद्यालय में 22 अप्रैल को ईवीएस की प्रेक्टिकल परीक्षा होगी। छात्राओं की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। रजिस्ट्रार रमन यादव ने बताया कि बीएए बीएससी व बीकॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को ईवीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करना जरूरी है। 22 अप्रैल की सुबह नौ बजे कॉलेज में उपस्थिति रहे।

25 हजार रुपये की ठगी का मामला दर्ज

नारनौल। बड़कोदा निवासी रामकंवार ने बताया कि उसके पास उसके मित्र अजीत की आवाज में एक फोन आया तथा कहा कि उसे रुपयों की सख्त जरूरत है। इसलिए उसने पहले 20 हजार और फिर पांच हजार रुपये उसके खाते में ट्रांसफर कर दिए। उन्होंने बताया कि यह राशि गूगल पे के जरिए ट्रांसफर की गई।

राजस्थान में मतदान प्रतिशत घटना चिंता का विषयः जोशी

कनीना। लोकतंत्र के महापर्व पर देश की 102 सीटों पर हुए लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में

राजस्थान में मतदान प्रतिशत कम रहा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एलसी जोशी ने कहा कि मतदान के दौरान उन्होंने जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली, धौलपुर, दौसा, नागौर लोकसभा क्षेत्र के मतदान केंद्रों का दौरा किया।

केस दर्ज होने के बाद पिछले तीन माह से भूमिगत था आरोपित

आरटीआई का दबाव बनाकर 50 लाख रुपये मांगने के आरोपित ने खुद कोर्ट में किया सरेंडर, छह दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

- पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट से नहीं मिली अग्रिम जमानत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

आरटीआई का दबाव बनाकर सेहलंग के शिक्षण संस्थान संचालक से 50 लाख रुपये मांगने के आरोपित प्रदीप कुमार वासी भड़फ ने केस दर्ज होने के तीन माह बाद शनिवार को एसडीजेएम कोर्ट में सरेंडर कर दिया। बता दें कि जनवरी माह में सदर थाना पुलिस ने हरीश भारद्वाज की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ केस दर्ज किया था। इसके बाद आरोपित ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश व पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत की दलील दी थी। जहां से राहत नहीं मिलने के बाद सरेंडर का रास्ता दिखाई दिया। कोर्ट ने आरोपित को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपित को अपनी कस्टडी में लेकर कोर्ट में पेश कर पांच दिन का रिमांड मांगा, जिस पर कोर्ट ने चार दिन के रिमांड पर भेज दिया। मामले की जांच सीआईए नारनौल कर रही है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपित प्रदीप कुमार से पुलिस रिर्कांडिंग डिवाइस, संगठन के दस्तावेज, आमदनी के सोर्स व उसके फरार पिता प्रेम कुमार की लोकेशन की जानकारी जुटाएगी। सेहलंग स्थित बीआर शिक्षण संस्थान के संचालक हरीश भारद्वाज ने डीजीपी शत्रुजीत कपूर को भेजी शिकायत में कहा था कि वह सेहलंग में बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बीआर डिग्री कॉलेज व बीआर कॉलेज ऑफ एजुकेशन शिक्षण संस्थान संचालित करते है। यह सरकार व शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त हैं तथा उनके दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं। संचालन समिति की ओर से इनके संचालन में बड़ी राशि खर्च की गई है। भड़फ वासी प्रदीप कुमार एक शरारती किस्म का व्यक्ति है, जो आरटीआई के तहत आवेदन दायर कर संस्थानों को ब्लैकमेल करने की आदत रखता है। आरोपित की की ओर से जनता जन सेवक नामक एनजीओ चलाया जा रहा है।

कनीना। आरोपित प्रदीप को कोर्ट में पेश करने ले जाती सीआईए टीम।

पिता पुत्र के खिलाफ जनवरी में दर्ज हुआ था केस

पीड़ित हरीश भारद्वाज ने बताया कि आरटीआई के नाम पर प्रदीप कुमार व उसके पिता प्रेम कुमार वासी भड़फ ने उनसे 50 लाख रुपये की मांग की थी। जिसकी रिकार्डिंग सहित शिकायत उन्होंने पुलिस को दी थी। पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर आरोपित पिता-पुत्र के खिलाफ जनवरी माह में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था।

फरार पिता व दस्तावेजों की लोकेशन लेने का रहेगा प्रयास

सीआईए टीम इंचार्ज अमरदीप ने बताया कि रुपये मांगने के आरोपित प्रदीप कुमार को अदालत में पेश कर पांच दिन का रिमांड मांगा गया था, लेकिन न्यायालय ने चार दिन का मंजूर किया। रिमांड के दौरान आरोपित से अहम दस्तावेज व उसके पिता तथा प्रेम कुमार की लोकेशन ली जाएगी।

जेएनएल में कूद गई थी गांव रसुलपुर की 75 वर्षीय महिला

27 घंटे बाद मिला बुजुर्ग महिला का शव, मेहनत ने दिखाया रंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- एएसआई युद्धवीर ने पहले नहर से ढूंढकर निकाल चुके हैं कई शव
- दो वर्ष पहले गांव पाली में हुए हादसे में घायल तीन बच्चों की बचा चुके जान
- गणेश विर्सजन के समय हुए हादसे में भी कई लोगों को निकाला था बाहर
- शुक्रवार को रात को शव ढूंढने के लिए मधुबन से नाव के साथ पहुंची पुलिस की भी टीम

आखिरकार करीब 27 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद डॉयल 112 पर तैनात एएसआई युद्धवीर ने बुचौली नहर के समीप से बुजुर्ग महिला का शव ढूंढ निकाला। इससे पहले भी युद्धवीर जवाहर लाल कैनाल से कई बडे.हादसे में शव निकालने में पुलिस प्रशासन की मदद कर चुके हैं। वहीं करीब दो वर्ष पहले गांव पाली में हुए सड़क हादसे में घायल तीन बच्चों की जान बचाने के अलावा नहर में डूबे कई की जान बचा चुके हैं।

शुक्रवार को करीब दो बजे गांव झगड़ोली के समीप जवाहर लाल नहर में गांव रसुलपुर निवासी 75 वर्षीय चमेली देवी ने चप्पल, छड़ी व चुन्नी में बेटे के मोबाईल नंबर बांधकर छलांग लगा दी थी। आसपास ने ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। सूचना के बाद पुलिस, दमकल विभाग के कर्मचारियों व आसपास के ग्रामीणों ने महिला के शव की तलाश शुरू की थी। लेकिन देर रात तक सफलता नहीं मिलने पर मधुबन के पुलिस कर्मचारियों की टीम शव की तलाश करने के लिए पहुंची थी। टीम की ओर से नाव के द्वारा काफी समय शव की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। इसके बाद नहर का पानी कम कराया गया। करीब पांच बजे डॉयल पर तैनात एएसआई युद्धवीर सिंह के बुचौली नहर के समीप बनाए जा रहे अस्थाई पुल के अंदर घुसकर शव को बाहर निकाला। शव पूरी तरह से घास व कचरे के अंदर फंसा हुआ था।

महेंद्रगढ़। नहर से महिला का शव बाहर निकालते पुलिस कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

पहले भी बचा चुके है कई लोगों की जान

डॉयल 112 पर तैनात एएसआई जवाहर लाल कैनाल में डुबे कई लोगों की जान बचा चुके हैं। इसके अलावा दो पहले गणेश विसर्जन के समय शहर के मोहल्ला ढाणी निवासी कई लोगों को नहर से बाहर निकाला था। इसके अलावा गांव झगड़ौली के समीप वर्ष 2021 में शादी समारोह के लौट समय रेवाड़ी जिले के एक गांव निवासी एक व्यक्ति गाड़ी कार नहर में डूब गई थी। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे सर्दी के मौसम में अपनी जान की परवाह किए बिना चार घंटे तक परिवार के सदस्य को बचाने का प्रयास करते रहे। युद्धवीर सिंह ने अपने साथी चालक संजय व एसपीओ सुरेश के साथ मिलकर एक बच्ची की जान बचाई थी। वही दंपति तथा उसके बेटे की मौत हो गई थी। इसके अलावा वर्ष 2022 में गांव पाली के समीप बाईक व ट्रक की टक्कर हो गई थी। जिसमें गांव खेड़ा दंपति व उनके तीन बच्चे बुरी तरह से घायल हो गए थे। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे एएसआई युद्धवीर ने 20 मिनट में हादसे में घायल तीनों बच्चों को अस्पताल लेकर पहुंचे थे। हादसे बुरी तरह से घायल तीनों बच्चों को समय पर इलाज मिलने के कारण तीनों की जान बच गई थी।

नांगल चौधरी। कॉलेज में कानून की नवीनतम जानकारी देते प्राचार्य डा. अनिल।

कानूनी जागरूकता पर भाषण प्रतियोगिता हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

शहीद मेजर सतीश दहिया कॉलेज में प्राचार्य डा. अनिल यादव की अध्यक्षता में जगरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने कानून पर आधारित भाषण एवं स्लोगन प्रस्तुत किए। विजेता प्रतिभागियों को प्राचार्य ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि संविधान में कार्यपालिका, विधानपालिका व न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र निर्धारित किए गए हैं। कोई भी संस्था संविधान के निर्देशों के अवहेलना नहीं कर सकती। समाज और राष्ट्र की आवश्यकतानुसार संविधान में संशोधन करने का प्रावधान किया गया है, लेकिन अधिकतर लोगों को संशोधित कानून की जानकारी नहीं होती, जिस कारण उन्हें मूलभूत सुविधाएं व अधिकारों से वंचित रहना पड़ता है।

उनकी सुविधा के लिए सरकार ने कॉलेज व स्कूल स्तर पर कानून सैल का गठन किया है, जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों को नवीनतम कानून से अवगत करवाने का प्रावधान है। प्राचार्य ने कहा कि सविंधान के अनुसार लड़की के लिए शादी की आयु 18 तथा लड़के के लिए 21 साल निर्धारित की है, क्योंकि बाल्य अवस्था में शादी होने पर लड़का व लड़की का मानसिक विकास नहीं हो पाता। इसके बाद करवाई गई भाषण प्रतियोगिता में सुमित कुमार प्रथम, हितेश दूसरा व विकास कुमार ने तृतीय स्थान अर्जित किया। रागनी स्पर्धा में हितेश को पहला, सुमित को दूसरा स्थान मिला है। इस मौके पर लीगल सैल के सदस्य डा. ईश्वर सिंह, डा. बिक्रम सिंह, डा. प्रमोद कुमार, डा. राजदीप ने विचार व्यक्त किए।

सिहमा में धर्मबीर का किया विरोध

- सिहमा व दौंगड़ा अहीर गांव के बीच बना हुआ है विवाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

शनिवार को भिवानी-महेंद्रगढ़ से भाजपा से प्रत्याशी धर्मबीर जनसंपर्क के लिए सिहमा गांव पहुंचे। उनके साथ पूर्व मंत्री एवं स्थानीय विधायक ओमप्रकाश यादव व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। स्थानीय विधायक एवं मंत्री के ओमप्रकाश यादव जब संबोधन देने लगे, तभी गांव के युवा गांव की समस्याओं व सब तहसील के लिए खड़े हो गए तथा निवर्तमान सांसद चौधरी धर्मबीर को काले झंडे दिखाते हुए उनके मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। कुछ देर बाद गांव के लोगों ने इस मामले को शांत किया। उसके बाद कुछ देर के भाषण में भिवानी-महेंद्रगढ़ से भाजपा से प्रत्याशी धर्मबीर ने कहा कि डॉ. अभय सिंह यादव ने दौंगड़ा अहीर में जनविश्वास रैली करवाई थी। सीएम से मीटिंग भी करवाई, तब उनके साथ प्रदेश प्रभारी भी आए थे। उस समय मेरे मुंह पर थोड़ी प्रॉब्लम थी, इसलिए मैं ज्यादा नहीं बोल पाया। उस समय कहा था कि इन दोनों गांव के बीच का रास्ता को निकाला जाए, जिसमें दोनों गांवों में प्रेम बना रहे। मैंने यह कभी नहीं कहा कि सिहमा को सब तहसील नहीं बनाया जाए। दोनों बड़े गांव हैं। इनके बीच का एक रास्ता निकाला जाए, ताकि दोनों गांवों में टकराव न हो।

मंडी अटेली। गांव सिहमा में धर्मबीर की सभा में काले झंडे दिखाकर नारेबाजी करते हुए।

शादी में झगड़ा व मारपीट सात के खिलाफ केस दर्ज

नारनौल। शादी में झगड़ा होने पर पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक लोगों पर विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़ित सत्येंद्र ने बताया कि वह गांव कारोता थाना निजामपुर का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि बीती रात्रि को वह अपने बड़े उदय सिंह एवं रिश्तेदारों के साथ जल महल नारनौल के सामने रूद्राक्ष मैरिज पैलेस में कन्यादान कराने आए हुए थे। इसी दौरान रात्रि को शादी में झगड़ा हो गया तथा उसके बेटे उदय सिंह को डंडों एवं ईंट-पत्थरों से मारा तथा जब वह उसे छुड़ाने गया तो वह गाड़ी लेकर भागने लगे तथा गाड़ी भांजा के ऊपर चढ़ गई। जिसको सीधा कोटपूतली अस्पताल तथा बाद में जयपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ओलंपियाड पदक विजेता सम्मानित

- हैप्पी स्कूल के विद्यार्थियों ने जीते सैंकड़ों पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हैप्पी एवरग्रीन स्कूल में अंतरराष्ट्रीय गणित एवं अंग्रेजी ओलंपियाड में पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में पुरस्कार वितरण समारोह और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल और प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया। विंग हेड संजीव कुमार, ईश्वर सिंह, हुकमचंद गर्ग, रेखा कौशिक और रेखा राघव के अनुसार गणित विषय में 54 विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल, 46 विद्यार्थियों ने सिल्वर मेडल और 19 विद्यार्थियों ने ब्रांज मेडल प्राप्त किया। वहीं अंग्रेजी विषय में 37 विद्यार्थियों ने गोल्ड मेडल, 16 विद्यार्थियों ने सिल्वर मेडल और नौ विद्यार्थियों ने ब्रांज मेडल प्राप्त किए। प्राचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने बताया कि ओलंपियाड की परीक्षा विद्यार्थी की तार्किक और भाषिक क्षमता को जांचने के लिए होती है। प्रबंध निदेशक मनीष अग्रवाल, मैनेजर चंचल अग्रवाल व संचालक सुभाष चंद्र अग्रवाल और उप संचालिका कौशल्या अग्रवाल ने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। साथ ही इस सफलता को अध्यापक, अभिभावक और छात्र रूपी त्रिवेणी का संगम बताया।

6 महेंद्रगढ़। विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्री विष्णु भगवान मंदिर का 42वां स्थापना दिवस मनाया

- विष्णु कालोनी में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

विष्णु कॉलोनी स्थित श्री विष्णु भगवान मंदिर का 42वां स्थापना दिवस शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं द्वारा हवन-पूजन किया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम मंदिर प्रभारी शंकरलाल के मार्गदर्शन में भगवान को स्नान करवाया गया और फिर मोनिका एवं सुमन गर्ग ने विष्णु भगवान-लक्ष्मी माता की प्रतिमा को नई पोशाक पहनाकर भव्य श्रृंगार किया। इसके बाद मुकेश शर्मा बुडौली ने पूजन करने के बाद विधि-विधान से हवन-यज्ञ संपन्न करवाया, जिसमें श्रद्धालुओं ने वैदिक मंत्रों के साथ आहुतियां डाली। मुकेश शर्मा ने कहा कि सनातन हिंदू धर्म में हवन का विशेष महत्व होता है। पूजा-पाठ, अनुष्ठान या मांगलिक कार्यों में हवन कराने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। महाभारत और रामायण काल से लेकर ऋषि-मुनियों द्वारा हवन कराने की परंपरा का वर्णन मिलता है। मंदिर प्रभारी शंकरलाल ने बताया कि श्री विष्णु भगवान मंदिर का स्थापना दिवस प्रत्येक वर्ष भव्य तरीके से मनाया जाता है। 42 वर्ष पूर्व मंदिर का निर्माण हरिनाथ महाराज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण एवं अन्य साधु-संतों की उपस्थित में करवाया गया था।

महेंद्रगढ़। हवन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर मंदिर कमेटी कोषाध्यक्ष रामानंद शर्मा, लक्ष्मीनारायण कौशिक, सुशील कुमार, प्रो. तरूण, रामसिंह, गोपाल कृष्ण धिंगरा, सत्यप्रकाश चौधरी, मोहित कुमार, प्रवीण कुमार, मन्नु, उर्मिला देवी, बिमला देवी, रजनी बत्रा, श्वेता मित्तल, सीना यादव, सुमन गर्ग, मोनिका, मनभावती, माया देवी, संतोष देवी, बेबी, बिल्लो, शशि बाला, सरोज देवी व अलका सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंथन एसपी ने थाना प्रभारियों व अधिकारियों के साथ की बैठक

अपराधियों की अवैध कारोबार से अर्जित संपत्ति की पहचान कर उसे डिमोलिश करनवाने में लाएं तेजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

एसपी अर्श वर्मा ने पुलिस लाइन स्थित मीटिंग हॉल में सभी डीएसपी व थाना प्रबंधकों के साथ बैठक की। जिसमें डीएसपी सुरेश कुमार, डीएसपी मोहिंद्र सिंह, डीएसपी मोहम्मद जमाल, डीएसपी हरदीप सिंह, सभी थाना प्रबंधक, प्रवाचक पुलिस अधीक्षक व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक में उन्होंने कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के संबंध में उच्चाधिकारियों के निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। बैठक में जिले में व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए किए गए सुरक्षा प्रबंधों का बारीकी से जायजा लेते हुए शांति बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने व क्षेत्र में शांति व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने के लिए सभी आपस में लगातार संपर्क तथा तालमेल बनाए रखें। सभी आपस में सूचनाओं का लगातार आदान-प्रदान करते रहे।

किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वाले शरारती तत्वों की गतिविधियों पर निगाह रखते हुए समुचित कार्रवाई करें। बैठक में डीएसपी सुरेश ने पीओ की संपत्ति कुर्क करने की प्रक्रिया के संबंध में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की तथा सभी थाना प्रबंधकों को इनकी पालना करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस की ओर से दूसरे राज्यों में जाकर अपराधियों को पकड़ने के लिए महत्वपूर्ण दिशानिर्देशों के संबंध में बताया। दूसरे राज्यों से अपराधी को पकड़ने के लिए सीआरपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत प्रावधानों के बारे में थाना प्रबंधकों को अवगत करवाया। सभी थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए कि पीओ की प्रॉपर्टी आइडेंटिफाई करें और जब्त करवाने की कार्रवाई करें। अपराधियों की ओर से अवैध कारोबार से अर्जित की गई प्रॉपर्टी की भी पहचान कर डिमोलिश की कार्रवाई करें।

नारनौल। बैठक को संबोधित करते एसपी अर्श वर्मा। फोटो : हरिभूमि

डीएसपी जमाल और मोहिंद्र ने भी दिए टिप्स

डीएसपी मोहम्मद जमाल ने एनडीपीएस एक्ट नशीले पदार्थों को पकड़ते समय महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। जब्त किए नशीले पदार्थ को रखने व मामलों में प्रभावशाली कार्रवाई के बारे में बताया। डीएसपी मोहिंद्र सिंह ने बताया कि एनडीपीएस के मामलों में डीएसपी व थाना प्रभारी लगातार मॉनिटरिंग करते रहेंगे। अगर कोई फॉरेनर एनडीपीएस के मामले में पकड़ा जाता है, तो उसकी सारी डिटेल्स एकत्रित करेंगे। नशीले पदार्थ सप्लाई करने वालों का पता लगाकर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

साप्ताहिक श्रीमद्भागवद कथा का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। क्षेत्र के गांव बवाना के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का कलश यात्रा के साथ शुभारंभ किया गया। कथा से पूर्व 101 महिला श्रद्धालुओं ने गांव के मुख्य रास्तों से कथा स्थल तक कलश यात्रा निकाली। कथा वाचक धर्मशरण बृजवासी ने कहा की रामायण महापुराण हमें आदर्श के साथ जीवन जीने के तरीके सिखाती है और श्रीमद् भागवत महापुराण हमें मरना कैसे है ये सिखाती है। भागवत महापुराण में भक्त को मरने से पहले क्या कर्म करे कि अपनी मुक्ति को प्राप्त कर कर सके उस सुगम मार्ग का मार्गदर्शन केवल भागवत महापुराण में मिलता है। भगवान की भक्ति से मोक्ष की प्राप्ति करने का सबसे सरल उपाय राम नाम संकीर्तन है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 21 अप्रैल 2024

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है
हमारी पृथ्वी

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

{ मोटिवेशन / अतुल मलिकराम }

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना: सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

संयम बनाए रखना: जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेना: अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनता: बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवाद: धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करना: धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनें: धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

{ कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत }

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

{ कहानी / यशोधरा भटनागर }

एलबम

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

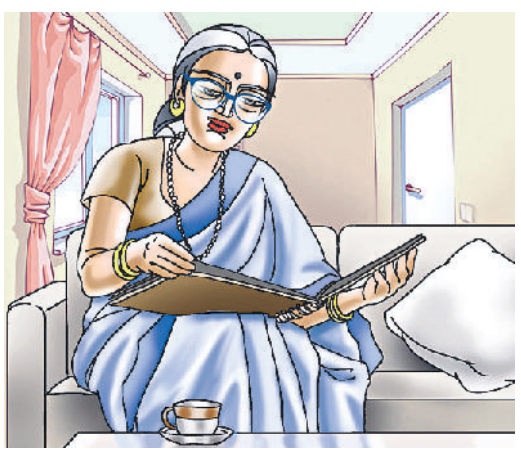

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झांड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्प्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविताओं में मुगल स्त्रियां

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए,
प्रकाशकः राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

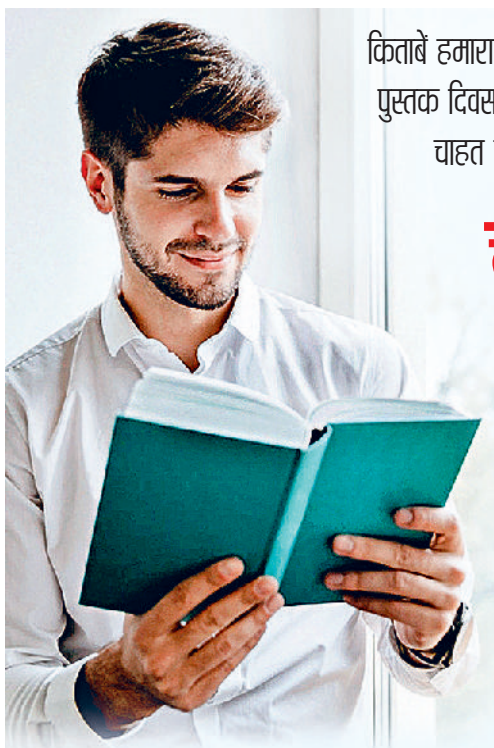

किताबें हमारा सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं, हमें ज्ञान नहीं देतीं बल्कि बेहतर मनुष्य होना भी सिखाती हैं। इसीलिए विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। लेकिन बीते कुछ दशकों से देश-दुनिया में लोग किताबों से दूर होते जा रहे हैं, पढ़ने की चाहत घटती जा रही है। इसकी क्या हैं वजहें, इसके दुष्परिणामों के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

चलिए फिर से कर लें किताबों से दोस्ती

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

लाइफस्टाइल / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

अब से तीन दशक पहले सन 1995 में पेरिस में यूनेस्को द्वारा हर वर्ष 23 अप्रैल 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की गई। इसके पीछे का उद्देश्य ज्ञान-विज्ञान की संवाहक के रूप में पुस्तक की महत्ता के बारे में दुनिया को बताना था। अपने देश की बात करें, तो पिछली सदी में नवें दशक के पूर्वार्द्ध तक किताबें ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में अपना दखल रखती थीं। पुस्तकें हम सभी के जीवन में बहुत महत्व रखती थीं। लेकिन हाल के वर्षों में जो रीडरशिप सर्वे हुए, उससे यह तथ्य उभर कर सामने आया कि पुस्तकों के प्रति लोगों की रुचि निरंतर घटती जा रही है। बढ़ती साक्षरता दर के बीच कम होती अध्ययनशीलता, चौंकाने वाली सच्चाई है।

इसलिए बढ़ रही किताबों से दूरी

अध्ययनशीलता का विकास बचपन में ही होता है। लेकिन बाजारवाद के इस दौर में बचपन का अर्थ 'शानदार करियर के लिए संघर्ष' में सिमट गया है। इस वजह से बच्चों को विद्यालय, अभिभावक और ट्यूटरों के दबाव में अनचाहे उबाऊ पाठ्य पुस्तकों में रमना पड़ रहा है। यह स्थिति बच्चों में पुस्तकों के प्रति वितृष्णा पैदा कर देती है और वह स्वाभाविक पाठक नहीं बन पाते। यही वह 'अल्फा पीढ़ी' है, जो टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की दीवानी हो रही है।

किताबों का प्रभाव

वैसे इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल माध्यम की महत्ता से इंकार नहीं कर सकते हैं, लेकिन इनकी एक सीमा है। यह विषय के बाहरी रूप से तो परिचित करा सकते हैं, लेकिन अंतरंग का दर्शन कराने में उतना ही कमजोर हैं। इसके विपरीत किताबें हैं, जिनकी पैनी निगाह से जीवन का कोई भी रंग या आयाम अदृश्य नहीं रह पाता है। मनोविज्ञानियों का स्पष्ट मत है कि पुस्तकें सिर्फ ज्ञान और मनोरंजन का ही साधन नहीं होती हैं, बल्कि यह दिमाग चुस्त-दुरुस्त रखने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। यह व्यक्तित्व लचीला बनाती हैं और जीने के नए-नए तरीके सिखाती हैं। दृश्य माध्यम व्यवहार के सामूहिक पक्ष को खारिज करके व्यक्तिवादी पक्ष को प्रबलित करता है। नई पीढ़ी में सामाजिक मूल्यों के प्रति घटती आस्था और स्वहित के लिए कुछ भी करने की प्रवृत्ति इसी की देन है।

विकसित हो रही दुष्प्रवृत्तियां

बच्चे, किशोर और युवा वर्ग पुस्तकों से दूर हुआ है तो इसके दुष्परिणाम भी खूब दिखने लगे हैं। किशोरों और युवाओं में हिंसा, आक्रोश, आक्रामकता, अवमानना, कामुकता जैसी प्रवृतियों की हैरतअंगेज स्तर पर वृद्धि हुई है। देश में विगत वर्षों में पुस्तक दिवस पर बुक स्टॉलों पर कुछ खास हलचल नहीं दिखती। फ्रेंडशिप-डे, वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर युवावर्ग में जो उत्साह और खरीददारी की ललक दिखती है, उसका दशांश भी पुस्तक दिवस को समर्पित हो जाए तो क्या कहने!

फिर लौटें किताबों की ओर

पाठक और पठित सामग्री की एकात्मकता संस्कार निर्माण की नींव है। विद्वान विचारकों का अभिमत है कि जीवन में आस्था, विश्वास और मूल्यों की स्थापना की सशक्त स्रोत पुस्तकें ही हैं और यही रहेंगी। इसका विकल्प कोई अन्य माध्यम नहीं बन सकता। प्राचीन विचारकों ने तो यहां तक कहा है कि पुस्तक जहां रखी होती है, वह स्थान विचारों, सिद्धांतों और अवधारणाओं का संगम होता है। हमारी दिमागी क्षमता के लिए पुस्तकें उपयोगी पोषक तत्वों जैसा काम करती हैं। संभवतः इसीलिए कहा गया है कि पुस्तकें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। इस दृष्टि से हमारी दिनचर्या में किताबों की वापसी हमारी प्राथमिकता बननी चाहिए।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सूचना क्रांति के इस दौर और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की चकाचौंध के बीच भी शब्दों की महत्ता न घटी है और न घटेगी। क्योंकि शब्द ही हैं, जो हमें जहां हम हैं, उससे आगे निकलने की राह दिखाते हैं। शब्दों की इसी महत्ता को रेखांकित करके किताबों को पुनः जनाधार देने का उपक्रम है, 'विश्व पुस्तक दिवस।' मगर इस उद्घोषणा का महत्व तभी होगा, जब देश के पुस्तक बाजार में इसको लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखेगी।

पुस्तकों के प्रति घटती जनरुचि के संदर्भ में अकसर उसकी कीमत को दोष दिया जाता है। लेकिन तीन-चार हजार का जूता खरीदने या दोस्तों के साथ फास्ट फूड पार्टी में हजारों रुपए खर्च करने वालों को चार-पांच सौ रुपए की किताबें क्यों महंगी लगती हैं, यह समझ से परे की बात है। वास्तव में मामला महंगाई का नहीं, प्राथमिकता का है। हम महंगे उपहार देते हैं, उसमें एक-दो पुस्तकें क्यों नहीं शामिल की जा सकती हैं? यह महत्वपूर्ण आयोजन तब तक अर्थहीन है, जब तक हम पुस्तकों की तरफ नहीं लौटेंगे। अगर हम संकल्प लें कि रोज कुछ न कुछ पढ़ना है तो इससे बच्चे और किशोर भी प्रेरित होंगे। एक बार यह सिलसिला चल निकलने की देर है, फिर किताबें अपना पुराना मुकाम प्राप्त कर लेंगी। *

ऐसे पड़ी पुस्तक दिवस की नींव

पश्चिमी देशों में पुस्तकें पढ़ने का चलन पिछली सदी में काफी पहले से कम होने लगा था। वहां नवें दशक तक आते-आते युवा वर्ग के व्यवहार में कई तरह के नकारात्मक परिवर्तन दिखने लगे थे। शिक्षाविदों और समाजशास्त्रियों के दबाव में कई सर्वेक्षण हुए, जिससे पता चला कि नई पीढ़ी में किताब पढ़ने की आदत एकदम कम हो गई थी। ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बढ़त बना चुके थे। इसलिए उनके व्यावहारिक जीवन में संवेदना, आत्मनियंत्रण और धैर्य का स्तर काफी कम हो गया था। सर्वेक्षणों से यह निष्कर्ष भी निकला कि जो किशोर साहित्य नहीं पढ़ते, कंप्यूटर खेलों और छोटे पर्दे के साथ अपना समय निकाल देते हैं, वे संवेदना, सौंदर्यबोध और कल्पना के मामले में कमजोर हो जाते हैं। एक तरफ युवा वर्ग में मूल्यों का संकट बढ़ रहा था तो दूसरी ओर पुस्तकों के अस्तित्व पर खतरे के बादल मंडरा रहे थे। इस बात से चिंतित स्पेन की सरकार ने किताबों के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने की दृष्टि से 'यूनेस्को' को एक प्रस्ताव भेजा। इसके पूर्व 'अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ' भी पुस्तकों के घटते जनाधार को संभालने के लिए यूनेस्को को आगे लाने का प्रयास कर चुका था। परिणामस्वरूप विचार-विमर्श के बाद विलियम शेक्सपियर और स्पेन के लोकप्रिय लेखक मीगुयेल डी सर्वेंटाइन की पुण्यतिथि 23 अप्रैल को प्रतिवर्ष 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया।

सीख लें कुछ नया संवर उठेगा जीवन

अनेक अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि नई-नई स्किल सीखने से जीवन में नयापन, सकारात्मकता आती है और सफलता की नई राह खुलती है। 21 अप्रैल विश्व नवाचार और रचनात्मकता दिवस पर हम बता रहे हैं, नई स्किल सीखने के फायदे।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

अंजू जैन

नयापन हर किसी को भाता है। इसकी वजह है कि हम सब दैनिक उपयोग की पुरानी चीजों, पुराने कपड़ों, पुराने फैशन और पुराने रूटीन से कई बार ऊब जाते हैं और जिंदगी में कुछ नयापन चाहते हैं। नवाचार और रचनात्मकता हमें उत्साह और ऊर्जा तो देती ही है, हमें इनसे आंतरिक खुशी, आत्मविश्वास और जीवन में नई सफलताएं भी मिलती हैं। आप भी चाहें तो कोई नई स्किल सीखकर जिंदगी में नई ताजगी ला सकते हैं, नई राह खोल सकते हैं।

वाद्य यंत्र बजाना

दुनिया में कई शोध हो चुके हैं, जिनके नतीजे बताते हैं कि वाद्य यंत्र बजाने से मनोरंजन के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती है। मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, वाद्य यंत्र सुनने से ही नहीं बजाने से भी मन को सुकून मिलता है। इससे अवसाद, तनाव और उदासी से भी मुक्ति मिलती है। साथ ही जो विद्यार्थी वाद्य यंत्र बजाते हैं या सुनते हैं उनकी मेमोरी शार्प होती है और पढ़ाई-लिखाई में एकाग्रता भी बढ़ती है।

नई भाषा सीखना

आज दुनिया एक ग्लोबल विलेज बन चुकी है। इंटरनेट के जरिए या फिर वास्तविक रूप में भी दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक हमारी पहुंच आसान हो चुकी है। हम विदेशों में अपने दोस्त बना रहे हैं, पर्यटन करने या पढ़ने के लिए विदेश जा रहे हैं और विदेश से व्यापार भी खूब हो रहा है। ऐसे में विदेशी भाषा सीखना बेहद फायदेमंद होगा। मनोविज्ञानियों का कहना है कि एक से ज्यादा भाषा सीखने वालों की बौद्धिक क्षमता, याददाश्त और एकाग्रता का स्तर बढ़ जाता है। साथ ही यह एक अतिरिक्त योग्यता भी होगी और विदेश में स्टडी या जॉब भी आसान बनाएगी।

स्पीड रीडिंग

हो सकता है, आप सोच रहे हों कि रीडिंग भी भला सीखने की चीज है? लेकिन स्पीड रीडिंग वाकई एक उपयोगी स्किल है। इसमें आप जल्दी-जल्दी पढ़ना और पढ़े हुए को आत्मसात करना सीखते हैं। इससे आपका समय बचता है और आप कम समय में ज्यादा पढ़ सकते हैं। जाहिर है, इससे छात्रों को स्टडी में काफी फायदा होगा। इस कला में आप किसी लेख, कहानी या टेक्स्ट के बिंदु बनाने और उसे संक्षेप में लिखकर या चंद वाक्यांशों में लिखकर याद करने की कला भी सीख सकते हैं।

आर्ट ऑफ जगलिंग

आपने किसी सर्कस या टीवी शो में जोकर को एक साथ कई गेंदों को ऊपर उछाल कर दोनों हाथों से एक-एक कर पकड़ना और फिर से उछालने का कमाल देखा होगा। यह कला जगलिंग कहलाती है। जगलिंग सीखने और इसका अभ्यास करने से बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता बढ़ती है।

कुकिंग आर्ट

उम्र का बंधन किसी भी स्किल को सीखने के लिए नहीं होता है। आज की तारीख में दुनिया में कई बुजुर्ग ही नहीं बच्चे भी लजीज व्यंजन न सिर्फ पका रहे हैं बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिखाकर सेलिब्रिटी शेफ जैसा दर्जा पा चुके हैं। हेल्दी और सेफ कुकिंग एक कला है, जो आपको डिसिप्लींड और ऑर्गेनाइज्ड रहना सिखाती है। साथ ही आपको टीमवर्क, माइंडफुलनेस प्लानिंग और हेल्थ कॉन्शस होना भी सिखाती है।

डिजिटल स्किल

दुनिया पूरी तरह डिजिटल हो चुकी है। कम्युनिकेशन, पढ़ाई, लिखाई, काम-काज, पेमेंट लेना या देना या शॉपिंग लगभग सब कुछ डिजिटल हो चुका है। जाहिर है, आज की दुनिया में आपको एक समझदार और सजग नागरिक बनना हो या करियर की राह पर सफल होना हो तो आपकी डिजिटल स्किल का लेवल बढ़िया होना चाहिए। संभव हो तो आपको कोडिंग भी सीखनी चाहिए। इससे आपकी टेक्नोलॉजी की समझ बढ़ेगी और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल भी इंप्रूव होगी। *

बहुत मुश्किल नहीं डर को हराना

किसी न किसी चीज या स्थिति से डर तो सबको लगता है। लेकिन कुछ मनोवैज्ञानिक तरीकों से अपने डर को हराया जा सकता है। यकीन मानिए, ऐसा करना बहुत कठिन भी नहीं है।

साइकोलॉजी / विवेक कुमार

डर कितना ही बड़ा क्यों न हो, उस पर जीत पाई जा सकती है, बस उसके लिए हमें कुछ मनोवैज्ञानिक तौर-तरीकों से गुजरना होता है। वैसे डर को लेकर समाज में बहुत गलत धारणाएं फैली हुई हैं। आमतौर पर लोगों का मनोविज्ञान यह है कि डरपोक लोगों को डर ज्यादा लगता है और बहादुर लोग डरते नहीं। यह सही बात नहीं है। डर एक जन्मजात और शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। इसका हमारे हिम्मती या गैरहिम्मती होने से कोई लेना-देना नहीं होता बल्कि अगर कोई व्यक्ति डरता है तो इसका मतलब यह है कि उसके शरीर में स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो रही है। लेकिन जैसे हर चीज की एक सीमा होती है, डर की भी एक सीमा होती है। अगर डर उस सीमा के आगे बढ़ जाए तो वह डर नहीं रहता। इसलिए सीमा से आगे बढ़ा हुआ डर नुकसानदायक होता है और उसके निवारण की जरूरत होती है।

संभव है डर से छुटकाराः जब भी डर के बारे में सोचें तो यह मानकर चलें कि डर कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, उससे छुटकारा पाना संभव है। हम सब बचपन में अंधेरे से डरते हैं, कॉकरोच से या छिपकली से डरते हैं। ऊंचाई से भी डरते हैं और ये सिर्फ बच्चों की बात नहीं है, बड़े होने पर भी बहुत लोग इन सब चीजों से डरते हैं। लेकिन अगर इन सभी चीजों को धीरे-धीरे प्रैक्टिस से समझें तो डर दूर हो जाता है। दरअसल, डर से हमारी मुलाकात जन्म लेते ही हो जाती है। पैदा होने के बाद से ही किसी भी शिशु में असुरक्षा की भावना आ जाती है। भूख लगने पर वह जोर-जोर से रोने लगता है। रोना दरअसल, उसकी असुरक्षा की अभिव्यक्ति है। इसलिए जब भी उसे भूख लगती है, वह रोने लगता है। लेकिन पेट भरा होने पर नहीं रोता। ऐसे ही बिस्तर गीला हो जाने पर भी रोता है, लेकिन गीले बिस्तर से मां उठा ले तो वह चुप हो जाता है। यानी, हम जैसे ही अपने सुरक्षातंत्र में पहुंच जाते हैं, भय खत्म हो जाता है।

ऐसे मिलेगी भय से मुक्तिः किसी भी डर से छुटकारा वैज्ञानिक तरीके की परवरिश से ही मिलती है। जैसे हम अंधेरे में डरते और अंधेर में उजाला हो जाए तो डर दूर हो जाता है। ठीक इसी तरह हमारा कमजोर दिल-दिमाग जिन सवालों के जवाब नहीं ढूढ़ पाता है, उससे हमें डर लगता है। इसमें मां-बाप की भी भूमिका होती है। अकसर मां-बाप छोटे बच्चों को शरारत न करने के लिए छोटी-छोटी बातों से डराते रहते हैं। जैसे-बाबा आएगा और झोली में डालकर ले जाएगा। छोटे बच्चे इस वजह से किसी भी अंजान व्यक्ति को देखते ही डर जाते हैं। लेकिन बड़े होने पर पता चलता है कि उनका डर बेबुनियाद था। इसलिए बच्चों की परवरिश में ऐसी झूठी बातों के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

अधिकांश होता है भविष्य का डर : डर आमतौर पर भविष्य से जुड़ा होता है। मैं लिफ्ट में जाऊंगा तो कहीं फंस ना जाऊं। मैं मीटिंग में सबके सामने बोलूंगा तो कहीं गलती तो नहीं हो जाएगी, लोग मुझ पर हंसेंगे तो नहीं। ये ऐसे डर हैं, जो आमतौर पर हम सबको लगते हैं और हम इनके बारे में सोच-सोचकर डरते रहते हैं। अगर हमारे मन में किसी तरह के संक्रमण की आशंका बैठ जाए, तो एक छींक आते ही हम बहुत डर जाते हैं, लगता है हमें इस संक्रमण ने जकड़ लिया। इंटरव्यू देने जाते वक्त हम इसलिए डर जाते हैं कि हमारे मन में ऐसे सवालों की चेन चलती रहती है, जो सवाल अभी तक हमसे न तो पूछ गए हैं और हो सकता कभी न पूछे जाएं। खुद ही हम इंटरव्यू देने जाने के समय डर जाते हैं। हम या तो बिना किसी वजह के डरते हैं या राई का पहाड़ बना लेते हैं। अगर हमारे मन में यह भाव मजबूती से बैठा हो कि जब कोई बात सामने आएगी, तब देखी जाएगी, तो हमें भविष्य से कभी डर ही नहीं लगेगा।

डर की कल्पना से बचें: मन बहुत कल्पनाशील होता है, इसलिए मामूली चीजें भी कई बार बहुत बड़ी समस्या बन जाती हैं। खतरा न होते हुए भी खतरे की घंटी सुनाई पड़ने लगती है। तभी तो मन रस्सी को कल्पना करते ही सांप समझ लेता है। दूसरी तरफ जो कल्पना से नहीं डरता, जिसमें डरावनी भावनाएं नहीं होतीं वो डरावनी परिस्थिति का भी जमकर मुकाबला करता है। मतलब यह कि डर जितना होता है, उससे कहीं ज्यादा हमारी कल्पना से बढ़ जाता है। इसलिए डर की कल्पना से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

अपने दौर की स्टार हीरोइन मीनाक्षी शेषाद्रि, शादी बाद अमेरिका में सेटल हो गई थीं। वह सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं, फिर से फिल्मों में काम करेंगी। मीनाक्षी अब किस तरह के रोल करना चाहेंगी? फिल्म इंडस्ट्री में वह क्या बदलाव देख रही हैं? क्या वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काम करना पसंद करेंगी? मीनाक्षी शेषाद्रि से बहुत खुलकर बातचीत।

मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे : मीनाक्षी शेषाद्रि

मीनाक्षी शेषाद्रि ने मनोज कुमार निर्मित फिल्म 'पेंटर बाबू' से 1983 में फिल्मों में कदम रखा था। उसी वर्ष मीनाक्षी की जैकी श्रॉफ के साथ निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने मीनाक्षी और जैकी को रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद मीनाक्षी ने कई सुपरहिट फिल्में दीं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जितेंद्र, ऋषि कपूर, गोविंदा, विनोद खन्ना, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे नामी स्टार्स के साथ काम किया। 1995 में मीनाक्षी ने इंवेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूरे के साथ विवाह कर लिया और उनके साथ अमेरिका में सेटल हो गईं। सत्ताइस वर्षों बाद वह भारत लौटी हैं। उन्होंने एक फिल्म साइन की है। पेश है मीनाक्षी शेषाद्रि से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी शुरुआती दो फिल्मों ने रिलीज के चालीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। विवाह के बाद आप अमेरिका में सेटल हुईं। आपकी बॉलीवुड में वापसी पूरे सत्ताइस वर्षों के बाद हो रही है। अपने कमबैक को लेकर आप क्या कहेंगी?

हां, 'पेंटर बाबू' और 'हीरो' मेरी ये दोनों फिल्में 1983 में रिलीज हुई थीं। इनके चार दशक पूरे होने की मुझे बहुत खुशी है। फिल्म 'हीरो' ने मुझे स्टारडम दिलाया। फिल्म 'पेंटर बाबू' मुझ जैसी न्यूकमर को लाइमलाइट में लाई। इसके बाद राजकुमार संतोषी जी की 1993 में फिल्म 'दामिनी' रिलीज हुई थी, उसके बाद 1996 में 'घातक' रिलीज हुई। मेरे करियर की ये आखिरी दो फिल्में थीं। 1995 में मेरी शादी हुई फिर मैं अपने वैवाहिक जीवन में बिजी हो गई। बेटी केंद्रा, जो इस वक्त पचीस वर्ष की है, पढ़-लिखकर जॉब कर रही है। बेटा जोश इक्कीस वर्ष का है। उसने अपनी पढ़ाई अभी-अभी पूरी की है। कुल मिलाकर एक मां, एक पत्नी और गृहिणी के रूप में मैंने अपना दायित्व संतोषजनक ढंग से निभाया। जब मैं विवाह के बाद अमेरिका गई तो यह बात मेरे जेहन में हमेशा रही कि उम्र के किसी भी पड़ाव पर मैं अपने देश लौटकर अभिनय करना चाहूंगी। अभिनय मेरा पैशन है। यह पैशन अब पूरा करना चाहूंगी। हालांकि अपने परिवार को अमेरिका छोड़कर भारत आने का डिसीजन मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने यह बहुत बड़ा कदम उठाया है। अब यहां मुंबई आई हूं तो परिवार को बेहद मिस भी करती हूं। देर रात मैं अपने बच्चों और परिवार से बात करती हूं।

अब आप फिल्मों में किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मैं किस तरह के किरदार निभाना चाहूंगी, यह अभी तय नहीं किया है। मैंने एक प्रोजेक्ट साइन कर लिया है, उसके बारे में अभी कुछ बता नहीं सकती। बहुत जल्द इसकी अनाउंसमेंट होगी। अब फिल्म इंडस्ट्री बहुत बदल चुकी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार भी बहुत बदल चुके हैं। मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे। मुझे अहसास हो कि मेरा कमबैक खास है, फ्रूटफुल है। मैंने यहां काम करने के लिए खुद को सरेंडर कर दिया है। अभी तो मैं कोरी स्लेट हूं। देखते हैं, फिल्म मेकर्स मुझे किस तरह के किरदार ऑफर करते हैं। आज की एक्ट्रेसेस फिल्मों में महज शो पीस नहीं बनतीं, उनके लिए स्ट्रॉन्ग रोल लिखे जाते हैं, फिर चाहे वो फिल्म, टीवी हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म।

आप सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं। इंडस्ट्री में आप किन बदलावों को महसूस कर रही हैं?

सबसे बड़ा और सुखद बदलाव सेट पर वैनिटी वैन का मौजूद होना है। मेरे दौर में वैनिटी वैन नहीं होती थी। धूप, धूल में शूटिंग के बाद ड्रेस चेंज करने की कोई प्रॉपर जगह नहीं रहती थी। बड़े नामी स्टूडियोज के मेकअप रूम गंदे रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस दौर की अभिनेत्रियों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है वैनिटी वैन। स्टार के पेमेंट का स्तर भी बढ़ा है। इस तरह फिल्म इंडस्ट्री का पूरा ढांचा ही बदल गया है।

ओटीटी इस वक्त फिल्मों के लिए टफ कॉम्पिटिशन बन चुका है। आप कितनी तैयार हैं ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए, जहां नेगेटिव रोल और स्टोरीज ट्रेंडिंग हैं?

आय एम हियर टू सरप्राइज एवरीवन! मैं नेगेटिव रोल करूंगी या नहीं, यह तो रोल पर डिपेंड करेगा, अभी से कैसे बताऊं? पॉजिटिव, नेगेटिव का कॉम्बिनेशन कर सकती हूं। ग्रे शेड्स वाले रोल भी सोच सकती हूं।

आपने बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया, उनके साथ आपके फिल्म करने के एक्सपीरियंस कैसे रहे?

हर एक्टर के साथ मेमोरीज शेयर करने के लिए शायद एक इंटरव्यू कम पड़ जाएगा। हां, जिनके साथ मेरी बहुत बनी, वो थे विनोद खन्ना। जब वह शिखर पर थे, सब कुछ छोड़कर आचार्य रजनीश के आश्रम में चले गए, कुछ वक्त बाद वो वापस भी आए। इंडस्ट्री ने उनका स्वागत किया। उनकी वापसी के समय मुझे उनके साथ पांच-छह फिल्में करने का मौका मिला। रजनीश आश्रम से लौटे विनोद जी के पास इतना आध्यात्मिक ज्ञान हो चुका था कि उनसे बातचीत करना एक ग्रेट एक्सपीरियंस होता था। जब मेरी शूटिंग विनोद जी के साथ होती थी। मेरे पापा भी मेरे साथ आते थे, खासतौर पर उनकी आध्यात्मिक बातें सुनने। विनोद जी, मैं और पापा घंटों बतियाते थे। उनसे हमारी बहुत अच्छी मित्रता थी। गोविंदा, इंडस्ट्री के वो सितारे हैं, जो वर्सेटाइल हैं। उनसे भी हमारा बहुत प्यारा रिश्ता रहा। ऋषि कपूर जी के साथ भी मैंने पांच फिल्में कीं। वह बहुत दिलचस्प इंसान और कमाल के एक्टर थे। आज जब मैं रणबीर को देखती हूं, मुझे लगता है उनमें अपने पिता की पूरी झलक है, लेकिन पिता पुत्र में तुलना नहीं होनी चाहिए। *

भारत और अमेरिका की लिविंग स्टाइल में अंतर

यूएसए की लिविंग स्टाइल चकाचौंध भरी है। डॉलर्स में मिलने वाली सैलरी से वहां के लोगों का स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई है। वहां की लेडीज काफी फैशनेबल हैं। लगता है मानो अभी-अभी ब्यूटी पार्लर-सैलून से निकली हों। फैशन, हाई स्टैंडर्ड ऑफ लाइफ वहां एक कॉमन बात है। हां, अमेरिका में रहने का मेरे लिए फायदा यह रहा कि मैंने वहां काफी कुछ जाना-सीखा, जो मैं भारत में नहीं कर पाई थी। यहां तो मैंने फिल्मों में बतौर अभिनेत्री काम किया, जहां मेकअप, हेयर स्टाइल, डांस सिखाने के लिए सेट पर लोग होते हैं। कोई सीन कैसे किया जाए, यह बताने वाला डायरेक्टर होता है। घर पर मां-पिताजी होते हैं, जिस वजह से मैं पैंपर्ड होती रही। अमेरिका में जाने के बाद अपने परिवार के लिए खाना बनाना, ड्राइविंग सीखना, अपने फाइनेंस को मैनेज करना, ये सारे काम मैंने सीखे, जो वहां के लिए जरूरी थे। मैंने वहां स्विमिंग सीखी, जो फिटनेस के लिए थेरैपी बनी, पर्सनली मेरी ग्रोथ हुई। इस तरह वहां की रूटीन लाइफ ने मुझे इंडिपेंडेंट और बहुत स्मार्ट बनाया। भारत में होती तो शायद ये सब काम नहीं सीख पाती। एक बात की कमी मैंने वहां बहुत महसूस की, वह है अपनापन। हम सबकी मदद करें, यह अपने देश की सभ्यता-संस्कृति का हिस्सा है। भारत के लोग बिना मांगे दूसरे की मदद करते हैं। अमेरिका में किसी की मदद करने का कल्चर नहीं है। यहां तक कि वहां अपने किसी दोस्त के घर जाना है तो पहले उसकी भी अपॉइंटमेंट लेनी पड़ती है। यह सोचना पड़ता है कि कहीं उनकी प्राइवेसी में हम कोई दखलअंदाजी तो नहीं कर रहे हैं। मैं भारत में अपनी किसी भी सहेली के घर कभी भी जा सकती हूं। हक के साथ कह सकती हूं, 'चल, यार एक कप चाय पिला।' मैं अमेरिका में इंडियन लाइफस्टाइल, यहां की खुशमिजाजी, मददगार लोग बहुत मिस करती हूं।